

अमित प्रजापत 

मिलने से बच्चों में डर फैल गया और एक के बाद एक बच्चे बीमार होने लगे। अध्यापिका मोनिका ने बताया कि छिपकली का छोटा बच्चा खाने के परोस्ते वक्त दिखा, जिसके कारण बच्चों में डर फैल गया। वहीं छिपकली का बच्चा सब्जी में था या नहीं था इस बारे में कोई स्पष्ट जानकारी देने को तैयार नहीं है।

मामले में बच्चों के स्वास्थ्य को लेकर पूरी रिपोर्ट जिला कलेक्टर के पास भिजावाई गई। सीबीओए राजनीत भीतर ने बताया कि 62 बच्चों में से तीन बच्चों को एहतियात के तौर पर गड़गड़ अस्पताल में रखा गया है। उन्होंने बताया कि जिला कलेक्टर को पूरे मामले की जानकारी भेजी गई है। जिला कलेक्टर के आगामी आदेशों पर निर्भर अनुसर कार्यों की जा जायगी। वहीं लापरवाही किसी स्तर पर हुई है इस सवाल के जवाब में सीबीओए ने कहा कि जांच के बाद ही पूरा मामला साफ हो पाएगा। उन्होंने बताया कि फूड पॉइजनिंग के मामले 6-7 बच्चों की ही हुई थी, बाकी बच्चों में डर बेटे गया था। लोगों के खाना तो 100 से अधिक लोकों ने खाया था, जिसमें स्टाफ सदस्य भी शामिल थे।

निर्लेख मुद्रण

---

**झुंझुनू (नवयत्न)।** अखिल भारतीय अग्रवाल सम्मेलन एवं महावीर इंटरनेशनल रानी अहिल्या वीरा केंद्र के संयुक्त

श्रीराम तिवाड़ी

लिए न्यायालय में मुआवजे का दावा प्रस्तुत किया था। मामले को सुनवाई के दौरान दुष्टटना से जुड़े तथ्यों, साक्ष्यों तथा बीमा कंपनी, वाहन चालक और वाहन मालिक की जिम्मेदारियों से संबंधित विभिन्न पहलुओं पर विचार किया गया। सुनवाई पूरी होने के बाद न्यायालय ने मृतक के आश्रितों के पक्ष में 30.85 लाख रुपये का मुआवजा पारित करते हुए बीमा कंपनी को भुगतान के निर्देश दिए। मृतक की पत्नी पार्वती एवं अन्य आश्रितों की ओर से अधिवक्ता राजाराम भादु ने न्यायालय में पैरवी की। न्यायालय के इस फैसले से दुष्टटना में अपने परिजन को खोने वाले परिवार को आर्थिक राहत मिलने का रास्ता साफ हुआ है।

**रतनगढ़ (नवयल)।** रतनगढ़ के गोमजी मौसूण कुएं पर नव दुर्गा महोत्सव को आयोजन गोमजी मौसूण कुआं युवा मित्र मंडली द्वारा प्रथम आयोजन किया जा रहा है। मित्र मंडली के भानु प्रकाश स्वामी ने बताया कि इस दौरान 10 दिवसीय विभिन्न धार्मिक कार्यक्रम होंगे। माताजी के चट की स्थापना आज 11 अक्टूबर को सुबह सायं 8 बजे होगी तथा रोज आरती के बाद रात्रि में महिलाओं और बच्चों के लिए डाईया कार्यक्रम तथा 18 अक्टूबर को विशाल जागरण संत गंगा नाथ महाराज के सानिध्य में होगा।

7. दृष्टान्त लोग  २ १ १ २ २

नई दिल्ली।

अबूबकर बल्यी

अधिकारियों से मतदाताओं के नाम उनके मूल वार्ड में दर्ज करवाने, बीएलओ को हटाने तथा मामले की जांच कर उचित कानूनी कार्रवाई करने की मांग की है।

250 रुपए से 60 हजार रुपए तक के प्रतले

जिसं

## कागज महंगा, बांस के दाम भी बढ़े

250 रुपए से 60 हजार रुपए तक के प्रतले

## शहरभर में होंगे रावण दहन के आयोजन

दशहरे पर मानसरोवर, झोटावाड़ा, आदर्श नगर और विद्याधर नगर सहित जयपुर के विभिन्न इलाकों में रावण दहन के कार्यक्रम आयोजित होंगे। आयोजन समितियों ने भी तैयारियां शुरू कर दी हैं। महंगाई और मौसम की अनिश्चितता के बावजूद शहर में दशहरे को लेकर उत्साह बना हुआ है।

**दशहरे की कमाई से चलते हैं घर के खर्च** कारीगरों को उम्मीद है कि दशहरे पर पुतलों की अच्छी बिक्री होगी, जिससे परिवार की आर्थिक जरूरतें पूरी करने में मदद मिलेगी। कई परिवारों के लिए यह कारोबार सालाना आय का अहम जरिया है। कारीगर इसी कमाई से दीपावली और परिवार में बहन-बेटियों की शादियों सहित अन्य जरूरी खर्चों की तैयारी भी करते हैं।

A large, abstract sculpture constructed from crumpled and folded newspapers. The sculpture consists of numerous tall, thin, vertical columns of varying heights, some of which are topped with pointed, cone-like structures. The columns are densely packed together, creating a complex, textured surface. The sculpture is displayed outdoors, with a metal railing in the foreground and a building in the background. The building has a sign that reads "MUSEO DE ARTE CONTEMPORANEO". The sky is clear and blue.

है कि दशहरे पर पुतलों की अच्छी बिक्री होगी, जिससे परिवार की आर्थिक जरूरतें पूरी करने में मदद रहे। के लिए यह कारोबार सालाना आय का अहम जरिया है। कारीगर इसी कमाई से दीपावली और परिवार शादियों सहित अन्य जरूरी खर्चों की तैयारी भी करते हैं।

## 11 से 20 अक्टूबर तक चलेगा धार्मिक महोत्सव दो हजार से अधिक महिलाएं निकालेगी ऐतिहासिक कलश शोभायात्रा

श्रीराम तिवड़ी

**नोखा ( नवयत्न )**। धार्मिक आस्था, भक्ति और आध्यात्मिक चेतना के केंद्र के रूप में नोखा में पहली बार भव्य धार्मिक महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है। नोखा तहसील चातुर्मास सत्संग समिति के तत्वावधान में परम पूज्य दण्डी स्वामी ब्रह्मानंद सरस्वती महाराज के सानिध्य में 11 से 20 अक्टूबर तक 100 कुंडीय अमृतचंडी महायज्ञ एवं श्रीमद् देवी भागवत कथा का आयोजन होगा। आयोजन को लेकर बाबा छोटानाथ विद्यालय परिसर में दक्षिणी द्वार के समीप विशाल यज्ञशाला एवं मंडप का निर्माण लगभग पूर्ण हो चुका है।

### दो हजार से अधिक महिलाएं निकालेगी कलश शोभायात्रा

धार्मिक महोत्सव का शुभारंभ रविवार को दोपहर 3 बजे लाहोटी चौक स्थित अयोध्या धाम से निकलने वाली विशाल कलश शोभायात्रा के साथ होगा। शोभायात्रा में दो हजार से अधिक महिलाएं नई कोरी लाल-पीली साड़ियां धारण कर मंगलगीत एवं भजन गाते हुए शामिल होंगी। सजे-धजे रथ, ऊंट, घोड़े और आकर्षक धार्मिक झांकियां शोभायात्रा का प्रमुख आकर्षण रहेंगी। शोभायात्रा में एक रथ पर परम पूज्य दण्डी स्वामी ब्रह्मानंद सरस्वती महाराज तथा दूसरे रथ पर कथाव्यास परम पूज्य डॉ गुणप्रकाश चैतन्य महाराज विराजमान होकर श्रद्धालुओं को आशीर्वाद प्रदान करेंगे। कलश शोभायात्रा लाहोटी चौक अयोध्या धाम से खाना होकर वीर हनुमान मंदिर, जैन चौक, महावीर चौक, मरोठी चौक, कटला चौक, लखारा चौक, भूतड़ा कोल्हू, नया बाजार, सिचौं पट्टी, सदर बाजार, घंटाघर, कपड़ा पट्टी, कृष्ण मंदिर, श्री गणेश हनुमान मंदिर, जैन मंदिर, पोस्ट ऑफिस और पिपली चौक होते हुए बाबा छोटानाथ विद्यालय परिसर स्थित मणिद्वीप महातीर्थ क्षेत्र पहुंचेगी।

### प्रतिदिन होगा महायज्ञ एवं देवी भागवत कथा का आयोजन

आयोजन के दौरान प्रतिदिन दो पारियों में महायज्ञ होगा। प्रथम पारी प्रातः 8 से 11 बजे तक तथा द्वितीय पारी दोपहर बाद 3 से शाम 6 बजे तक आयोजित की जाएगी। वहीं श्रीमद् देवी भागवत कथा प्रतिदिन दोपहर 3 से शाम 6 बजे तक कथाव्यास परम पूज्य डॉ गुणप्रकाश चैतन्य महाराज के श्रीमुख से होगी। प्रतिदिन शाम 6 बजे काशी की भव्य आरती भी आयोजित की जाएगी।

### उद्योगपती झंवर दंपती ने किया शिखर पर कलश स्थापना का पुण्य कार्य

धार्मिक आयोजन के तहत नोखा के जाने-माने समाजसेवी एवं उद्योगपति कैलाश झंवर तथा उनकी धर्मपत्नी ने गुरुवार शाम यज्ञशाला के शिखर पर कलश स्थापित करवाकर पुण्य लाभ अर्जित किया। आयोजन की तैयारियों को अंतिम रूप देने के लिए समिति के कार्यकर्ता जुटे हुए हैं। इसी क्रम में समिति के कई कार्यकर्ताओं ने शुक्रवार को बीकानेर सहित विभिन्न स्थानों पर पहुंचकर संबंधित आयुक्त, जिला कलेक्टर एवं अन्य उच्च अधिकारियों को आमंत्रण पत्र भेंट किए और महोत्सव में शामिल होने का आग्रह किया।

### समिति के कार्यकर्ता जुटे तैयारियों में

इस भव्य धार्मिक आयोजन को सफल बनाने के लिए प्रहलाद मोहा, गिरधारी पारीक, दामोदर तिवारी, रमेश्वर खोंपा, मेघराज लाहोटी, नारायण राठी, ओमप्रकाश तिवारी, पवन चांडक, जुगल लोहिया, बृजरतन डागा, गोपाल मोहता, राजू बाहेती, पवन लाहोटी, रमेश मालाणी, देवकिशन बाहेती, सुनील भट्टड़ सहित अनेक कार्यकर्ता एवं बड़ी संख्या में श्रमिक व्यवस्थाओं में जुटे हुए हैं। समिति के मॉडिया प्रभारी इन्द्रचन्द मोदी द्वारा बताया गया कि इस धार्मिक महोत्सव के माध्यम से श्रद्धालुओं को भक्ति, आध्यात्मिक साधना और धार्मिक अनुष्ठानों से जुड़ने का अवसर मिलेगा।

## राष्ट्रीय लोक अदालत में 91 मामलों का निस्तारण



निर्स

**बीदासर ( नवयत्न )**। राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, राजस्थान उच्च न्यायालय, जिला एवं सेशन न्यायाधीश एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण चूरू के सचिव तथा तालुका विधिक सेवा समिति सुजानगढ़ के अध्यक्ष महेश सिंह मीणा के निर्देशानुसार राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया गया। सिविल न्यायाधीश एवं न्यायिक मजिस्ट्रेट न्यायालय में शनिवार को न्यायिक मजिस्ट्रेट सुनील गोस्वामी की अध्यक्षता में आयोजित लोक अदालत में आपसी सहमति और राजीनामे के आधार पर 91 मामलों का निस्तारण किया गया। लोक अदालत में न्यायालय में विचाराधीन मुकदमों, राजस्व मामलों और प्री-लिटिगेशन सहित विभिन्न प्रकार के प्रकरणों की सुनवाई की गई। इस दौरान दोनों पक्षों को समझाइश देकर आपसी सहमति से विवादों का समाधान करवाया गया। इस दौरान तहसीलदार इन्द्राज बारुपाल, पैनल अधिकृत सदस्य गोवर्धन सिंह सहित अधिकृत रघुवीर भामू, दीनदयाल प्रजापत, शाहिद सोलंकी, परमानंद बिजारणियां, लालचंद जाट, आमिन शेख, तिलोक पिलानियां, गोविंद जाखड़, अख्तर सोलंकी और इरफान सोलंकी ने पक्षकारों को समझाइश देकर मामलों के निस्तारण में सहयोग किया। लोक अदालत के सफल आयोजन में न्यायालय के रीडर रामस्वरूप, सहायक नाजिर रणवीर सिंह राठौड़, कैलाश तर्ड, रिविन्द्र जोशी, रणवीर सिंह सहित अन्य कर्मचारियों ने सहयोग किया।

## व्याख्याता बनने पर दी विदाई

अमित प्रजापत

**सुजानगढ़ ( नवयत्न )**। निकटवर्ती गांव सारोटिया के राउमावि में कमलेश कुमार मीना अध्यापक का रसायन विज्ञान में व्याख्याता पद पर पदोन्नति होने पर विदाई समारोह आयोजित किया गया। विद्यालय परिवार और पीईईओ अधीनस्थ संस्था प्रधानों की उपस्थिति में कार्यक्रम का आयोजन हुआ। कमलेश कुमार मीना ने इस स्कूल में 17 वर्ष विज्ञान विषय का अध्यापन कार्य करते हुए उत्कृष्ट परीक्षा परिणाम दिया। राज्य स्तर पर पुरस्कृत शिक्षक सुखदेव बीरछा ने शिक्षा के प्रति समर्पण और सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना को सार्थक करते हुए पीईईओ कार्यालय को लगभग 5100 रुपये की दरी भेंट की। इस अवसर पर संस्था प्रधान पद्मप्राप्त मीना, लिछमण राम गोदारा, दामोदर लाल, रामलाल कांसेरिया, श्यामसुंदर, महेंद्र, आशाराम, हरजीराम, मुलाराम, राजेन्द्र, सतपाल, जीवनराम, दिलीप सिंह आदि उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन पूसाराम स्वामी ने किया।

## फूसराज तोदी भवन का भव्य उद्घाटन आज

### योग गुरु बाबा रामदेव, साध्वी ऋतंभरा होंगे मुख्य अतिथि

ललित दाधीर

**राजलदेसर ( नवयत्न )**। राजलदेसर के नेशनल हाईवे-11 बीकानेर रोड स्थित नवनिर्मित फूसराज तोदी भवन (रिजॉर्ट) का भव्य उद्घाटन आज दोपहर 2 बजे आयोजित किया जाएगा। समारोह में देश के प्रसिद्ध योग गुरु बाबा रामदेव महाराज एवं साध्वी ऋतंभरा मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत करेंगे। समारोह में कई संत-महात्माओं एवं विशिष्ट अतिथियों की मौजूदगी रहेगी। युवा उद्योगपति आनंद तोदी, रिजॉर्ट मैनेजर वीरेंद्र लाटा ने बताया कि समारोह में स्वामी चिंद्रानंद सरस्वती महाराज, आचार्य बालकृष्ण, स्वामी हरिचेतनानंद महाराज, स्वामी रामानंद महाराज, मुरलीधर महाराज एवं संत सोमनाथ महाराज सहित अनेक संत-महात्माओं का सानिध्य रहेगा। समारोह के लिए ईश्वरचंद तोदी, मुख्य ट्रस्टी, जयनारायण बजरंगलाल तोदी ट्रस्ट, राजलदेसर

की ओर से विशेष आग्रह किया गया है। कार्यक्रम में देवकीनंदन तोदी, नारायण तोदी, आनंद तोदी, बनवारीलाल तोदी, यश तोदी, कैलाश अग्रवाल, अमित अग्रवाल, राज अग्रवाल, जितेंद्र अग्रवाल सहित तोदी परिवार के सदस्य एवं क्षेत्र के गणमान्य नागरिक उपस्थित रहेंगे। ईश्वरचंद तोदी एवं आनंद तोदी ने बताया कि राजलदेसर कस्बे में लंबे समय से अत्याधुनिक सुविधाओं से युक्त बड़े भवन की कमी महसूस की जा रही थी। साथ ही बड़े आयोजनों के लिए पर्याप्त स्थान उपलब्ध नहीं होने के कारण लोगों को बाहर के स्थानों पर निर्भर रहना पड़ता था। इसी आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए फूसराज तोदी भवन का निर्माण कराया गया है। उन्होंने बताया कि यह भवन विवाह समारोह, सामाजिक कार्यक्रमों, बड़े धार्मिक आयोजनों एवं संत-महात्माओं के प्रवचन सहित विभिन्न कार्यक्रमों के लिए उपयोगी साबित होगा। बाहर से आने वाले प्रवासियों एवं

मेहमानों के ठहरने के लिए भी यहां बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं।

फूसराज तोदी भवन में वर्तमान में 70 कमरों के साथ बड़े हॉल एवं गार्डन की व्यवस्था की गई है। भवन में आंगंतुकों के लिए आधुनिक सुविधाओं से युक्त कमरे, पर्याप्त पार्किंग तथा टेकसी चालकों के ठहरने के लिए अलग से व्यवस्था की गई है। भवन को इस तरह विकसित किया गया है कि बड़े स्तर के आयोजनों में आने वाले मेहमानों को एक ही परिसर में ठहरने और कार्यक्रम आयोजित करने की सुविधा मिल सके। उन्होंने बताया कि भवन में स्विमिंग पूल एवं अतिरिक्त कमरों के निर्माण का कार्य भी जल्द शुरू किया जाएगा। उनका कहना है कि यह भवन रतनगढ़ तहसील का सर्वाधिक कमरों एवं बड़े गार्डन की सुविधा वाला भवन बनने की दिशा में तैयार किया गया है। उद्घाटन समारोह को भव्य एवं यादगार बनाने के लिए भवन

# पीएम श्री विद्यालय में उत्साहपूर्वक मनाया अंतर्राष्ट्रीय बालिका दिवस

निर्स

**श्रीमाधोपुर ( नवयत्न )**। पीएमश्री राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, श्रीमाधोपुर में शनिवार को अंतर्राष्ट्रीय बालिका दिवस का आयोजन प्रधानाचार्य डॉ मधु चौधरी की अध्यक्षता में उत्साहपूर्वक किया गया। कार्यक्रम में बालिकाओं की प्रतिभा को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से पोस्टर प्रतियोगिता एवं स्वर कोकिला लता मंगेशकर के गीतों पर आधारित गायन प्रतियोगिता आयोजित की गई। दोनों प्रतियोगिताओं में बालिकाओं ने बढ़-चढ़कर भाग लेते हुए अपनी प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया। गायन प्रतियोगिता में भूमिका कुमावत ने प्रथम तथा कृतिका ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। वहीं पोस्टर प्रतियोगिता में कक्षा 12 की शिवानी ने प्रथम एवं कक्षा 12 की दिव्या सैनी ने द्वितीय स्थान प्राप्त



किया। विजेता प्रतिभागियों को प्रधानाचार्य डॉ मधु चौधरी ने पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया तथा उनका उत्साहवर्धन किया। इस अवसर पर प्रधानाचार्य डॉ मधु चौधरी ने अपने प्रेरणादायी संबोधन में बाल विवाह, कन्या भ्रूण हत्या सहित समाज में व्याप्त विभिन्न कुटीरियों पर प्रकाश डालते हुए बालिका शिक्षा, समान अवसर एवं महिला सशक्तीकरण की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि एक शिक्षित एवं संशक्त बेटी न केवल अपने परिवार को संवारती है, बल्कि पूरे समाज को

नई दिशा देने के साथ राष्ट्र के विकास में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। बालिकाओं को अपनी क्षमताओं पर विश्वास रखते हुए शिक्षा, कला एवं अन्य क्षेत्रों में निरंतर अगे बढ़ने का आह्वान किया। कार्यक्रम का संचालन उपप्राचार्य कृष्णा पालीवाल ने किया। इस अवसर पर सरोज, प्रेमलता सहित विद्यालय स्टाफ उपस्थित रहा। कार्यक्रम ने बालिकाओं में आत्मविश्वास, रचनात्मकता एवं अपनी प्रतिभा को अभिव्यक्त करने की भावना को प्रोत्साहित किया।

# कारपेंटरों के परिवारों को सहारा देगी एक्शन टेसा, विवाह से शिक्षा तक मिलेंगे लाभ

निर्स

**जयपुर ( नवयत्न )**। इंजीनियर्ड पैनल उत्पादों की निर्माता कंपनी एक्शन टेसा की ओर से होटल ओम कॉम्प्लेक्स भरतपुर में मेगा कारपेंटर मीट का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में कंपनी के क्षेत्रीय प्रबंधक विजय गोयल, बीडीएम शिवम और कंपनी के प्रतिनिधि मौजूद रहे। विजय गोयल ने कारपेंटरों को संबोधित करते हुए कंपनी के उत्पादों, नई तकनीकों और कारीगरों के कल्याण के लिए संचालित योजनाओं की जानकारी दी। कार्यक्रम का उद्देश्य कारपेंटरों की कारीगरी को सम्मान देने के साथ उन्हें बदलती तकनीक और नए उत्पादों से परिचित कराना था।

## राजकीय विद्यालयों में भामाशाह अग्रवाल ने भेंट किए स्मार्ट टीवी

निर्स

**तारानगर ( नवयत्न )**। शिक्षा के क्षेत्र में भामाशाहों के सहयोग से एक नई क्रांति की शुरुआत हुई है। तारानगर तहसील विकास एसोसिएशन, नई दिल्ली के अध्यक्ष एवं प्रसिद्ध भामाशाह श्यामसुंदर अग्रवाल (चाचन) द्वारा तारानगर ब्लॉक के विभिन्न राजकीय विद्यालयों को आधुनिक तकनीक से परिपूर्ण करने के उद्देश्य से 11 स्मार्ट टीवी प्रदान किए गए हैं, जिनकी अनुमानित कीमत 4 लाख रुपये है। इस अनूठी पहल से ग्रामीण अंचल के विद्यार्थियों को भी अब महानगरों की तर्ज पर डिजिटल और स्मार्ट शिक्षा का लाभ मिल सकेगा। स्मार्ट टीवी वितरण के अवसर पर अपने विचार साझा करते हुए भामाशाह श्यामसुंदर अग्रवाल ने पुरानी यादों और वर्तमान तकनीक के अंतर को बहुत ही प्रेरणादायक तरीके से सामने रखा। उन्होंने कहा हमारे जमाने में पढ़ाई के लिए केवल पढ़ी और चाक का इस्तेमाल होता था, लेकिन आज समय पूरी तरह बदल



परिसर में साज-सज्जा, मंच व्यवस्था, अतिथि स्वागत, पार्किंग सहित अन्य व्यवस्थाओं को अंतिम रूप दिया जा रहा है। आयोजकों के अनुसार उद्घाटन समारोह में राजलदेसर ही नहीं, बल्कि देश के विभिन्न हिस्सों के साथ विदेशों में रहने वाले राजलदेसर के प्रवासी भी बड़ी संख्या में शामिल होंगे। योग गुरु बाबा रामदेव, साध्वी ऋतंभरा सहित प्रमुख संत-महात्माओं की मौजूदगी में होने वाले उद्घाटन

समारोह को लेकर राजलदेसर एवं आसपास के क्षेत्र में खासा उत्साह बना हुआ है। आयोजकों की ओर से अतिथियों एवं आंगंतुकों के स्वागत के लिए विशेष व्यवस्थाएं की जा रही हैं। ज्ञात रहे योग गुरु बाबा रामदेव कई वर्षों पहले इसी स्थान पर आ चुके हैं लेकिन साध्वी ऋतंभरा राजलदेसर में पहली बार आ रही है जिसको लेकर धर्म प्रेमी लोगों में काफी उत्साह नजर आ रहा है साथ ही दर्जनों संत महात्मा भी शिरकत

करेंगे। आयोजन को लेकर तोदी परिवार एवं राजलदेसर कस्बेवासी दिन रात तैयारी को अंतिम रूप दे रहे हैं सभी कार्यकर्ताओं को अलग-अलग जिम्मेवारी दी गई है। सभा स्थल पर शानदार डेकोरेशन एवं मंच भी बनाया गया है वहीं थाना प्रभारी बेगा राम मीणा ने आयोजन स्थल की तैयारी को लेकर जायजा लिया एवं तोदी परिवार के आनंद तोदी, अनिल तोदी कार्यक्रम की पूरी जानकारी उपलब्ध कराई।

### एक्शन टेसा की मेगा कारपेंटर मीट में नई तकनीक और उत्पादों की दी जानकारी



निर्स

**जयपुर ( नवयत्न )**। इंजीनियर्ड पैनल उत्पाद बनाने वाली कंपनी एक्शन टेसा की ओर से होटल निरवाणा अलवर में मेगा कारपेंटर मीट का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में कंपनी के क्षेत्रीय प्रबंधक विजय गोयल, बीडीएम शिवम, प्रहलाद सिंह सहित कंपनी के प्रतिनिधि मौजूद रहे। विजय गोयल ने कारपेंटरों को संबोधित किया। कार्यक्रम का उद्देश्य कारपेंटरों की कारीगरी को पहचान देने के साथ उन्हें उभरती तकनीकों और नए उत्पादों की जानकारी उपलब्ध कराना रहा। इस दौरान मॉडिस्ट्र मास्टर बोर्ड,

मॉडिस्ट्रो दरवाजा सहित कंपनी के उत्पादों और उनसे जुड़ी नई तकनीकों के बारे में जानकारी दी गई। कंपनी के अनुसार वह पिछले एक दशक से ऐसे आयोजनों के माध्यम से कारपेंटरों के साथ जुड़ाव बढ़ाने का प्रयास कर रही है। कार्यक्रम में कंपनी के प्रबंध निदेशक अजय अग्रवाल का वीडियो संदेश भी प्रसारित किया गया। इसमें कारपेंटरों की स्थिति को बेहतर बनाने तथा उनके परिश्रम और कारीगरी को पहचान दिलाने पर जोर दिया गया।कंपनी की टेसा सलाम पहल का उद्देश्य भी कारपेंटरों के योगदान को सम्मान देना बताया गया।

# कारपेंटरों के परिवारों को सहारा देगी एक्शन टेसा, विवाह से शिक्षा तक मिलेंगे लाभ



इस दौरान मॉडिस्ट्र मास्टर बोर्ड और मॉडिस्ट्रो दरवाजे सहित कंपनी के उत्पादों की विशेषताओं और उनके उपयोग के बारे में जानकारी दी गई।

कंपनी के अनुसार, वह पिछले एक दशक से ऐसे आयोजनों के माध्यम से कारपेंटरों के साथ अपने संबंध मजबूत करने

और लकड़ी एवं बोर्ड उद्योग को आगे बढ़ाने के लिए काम कर रही है। कार्यक्रम में कंपनी के प्रबंध निदेशक अजय अग्रवाल का वीडियो संदेश भी प्रसारित किया गया। इसमें कारपेंटरों की स्थिति बेहतर बनाने तथा उनके कठिन परिश्रम और कारीगरी को पहचान दिलाने पर जोर दिया गया। कंपनी

की टेसा सलाम पहल का उद्देश्य कारपेंटरों के योगदान को सम्मान देना और उनके कल्याण के लिए अवसर उपलब्ध कराना है। कंपनी ने वर्ष 2026-27 के कारपेंटर लाभ कार्यक्रम के तहत परिवार कल्याण, शिक्षा, कौशल विकास और दुर्घटना बीमा से जुड़ी चार योजनाओं की जानकारी दी।

## कारपेंटरों के परिवारों को सहारा देगी एक्शन टेसा, विवाह से शिक्षा तक मिलेंगे लाभ



### हर स्कूल में स्मार्ट टीवी का है लक्ष्य

तारानगर तहसील विकास एसोसिएशन के उपाध्यक्ष एल डी सरावगी ने एसोसिएशन की आगामी योजनाओं पर प्रकाश डालते हुए बताया कि विभिन्न दानदाताओं और भामाशाहों के सहयोग से तारानगर ब्लॉक के प्रत्येक राजकीय विद्यालय में स्मार्ट टीवी लगवाने का बड़ा विचार किया जा रहा है। एसोसिएशन का यह प्रयास है कि क्षेत्र का कोई भी सरकारी विद्यालय डिजिटल सुविधाओं से वंचित न रहे, जिससे गर्बिय और जरूरतमंद बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा मिल सके।

### अब तक 24 स्कूलों में हो चुके हैं स्मार्ट टीवी इंस्टॉल

ब्लॉक शिक्षा अधिकारी बबलेश शर्मा ने भामाशाहों की इस उदार पहल पर हार्दिक आभार व्यक्त किया है। उन्होंने जानकारी देते हुए बताया कि इन प्रयासों के परिणाम जमीन पर दिखने लगे हैं और अब तक ब्लॉक के 24 राजकीय विद्यालयों में स्मार्ट टीवी सफलतापूर्वक इंस्टॉल किए जा चुके हैं। इन स्मार्ट उपकरणों के माध्यम से स्कूलों के बच्चे और अध्यापक दोनों ही आधुनिक शिक्षण विधियों का भरपूर लाभ उठा रहे हैं और कक्षाओं में पढ़न-पाठन का माहौल अधिक रोचक व प्रभावी बन गया है। भामाशाहों और शिक्षा विभाग का यह समन्वित प्रयास तारानगर के शैक्षिक विकास में एक मील का पथर साबित हो रहा है, जिससे सरकारी स्कूलों में पढ़ने वाले विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की मजबूत नींव रखी जा रही है।

चुका है। आज का नया जमाना आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का है। इस आधुनिक युग में हमारी तहसील के बच्चे भी पीछे न रहें

सरकारी स्कूलों के बच्चों को तकनीकी शिक्षा से जोड़कर उन्हें भविष्य की चुनौतियों के लिए तैयार करना है।



## न्यू राजस्थान की वॉलीबॉल टीम का भव्य स्वागत



संजय सोनी

**झुंझुनू ( नवयत्न )**। स्थानीय गणपति नगर स्थित न्यू राजस्थान बालिका पीजी महाविद्यालय की वॉलीबॉल टीम ने पॉंडित दीनदयाल उपाध्याय शेखावाटी विश्वविद्यालय सीकर द्वारा आयोजित अन्तर महाविद्यालय वॉलीबॉल प्रतियोगिता 2026 के महिला वर्ग का आयोजन राधेश्याम आर.आर मोरारका राजकीय महाविद्यालय, नवलगढ़ में हुआ, जिसमें महाविद्यालय की टीम उपविजेता रही। इस उपलक्ष पर महाविद्यालय प्रांगण में संस्था निदेशक इंजी प्यारेलाल ढूकिया और संस्था सचिव इंजी. पीयूष ढूकिया ने सभी खिलाड़ी छात्राओं को सम्मानित कर बधाई दी। संस्था निदेशक इंजी. प्यारेलाल ढूकिया ने कहा कि खेल हमारे जीवन का महत्वपूर्ण अंग है। खेल से हमारे जीवन में अनुशासन, नेतृत्व क्षमता, एकता के गुणों का विकास होता है। संस्था सचिव इंजी. पीयूष ढूकिया ने खिलाड़ी छात्राओं के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए कहा कि खेल हमारे शारीरिक व मानसिक स्वास्थ्य को दुरुस्त करता है। इस अवसर पर संस्था संरक्षिका विनोद ढूकिया, महाविद्यालय उपप्राचार्या पंकेश, शारीरिक शिक्षक नीलम, प्रहलाद सिंह आदि उपस्थित रहे।

## तमन्ना बनी विद्यालय की प्रधानाचार्य



निर्स

**नवलगढ़ ( नवयत्न )**। अंतर्राष्ट्रीय बालिका दिवस के अवसर पर पीएम श्री राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय परसरामपुरा में बालिकाओं के अधिकारों, शिक्षा, सुरक्षा, सशक्तिकरण एवं महिला नेतृत्व को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विद्यालय की प्रतिभाशाली छात्रा तमन्ना को एक दिन के लिए विद्यालय के प्रधानाचार्य का दायित्व सौंपा गया। प्रधानाचार्य की भूमिका निभाते हुए छात्रा ने शिक्षकों एवं विद्यार्थियों से संवाद कर विद्यालय की व्यवस्थाओं की जानकारी प्राप्त की। इस अवसर पर विद्यालय में निबंध, भाषण एवं पोस्टर प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। बेटी पढ़ाओ, बेटी बढ़ाओ का संदेश देने के लिए एक रैली का आयोजन किया गया। प्रधानाचार्य पुष्पा शेखावत ने इस पहल के माध्यम से बालिकाओं में आत्मविश्वास, नेतृत्व क्षमता, निर्णय लेने की योग्यता तथा जिम्मेदारी को भावना विकसित करने का संदेश दिया।

## बुहाना में पंचायती राज चुनाव के इच्छुक प्रत्याशियों को दिया प्रशिक्षण



मधु दहिया

**बुहाना ( नवयत्न )**। पंचायती राज संस्थाओं के आगामी आम चुनावों को लेकर शनिवार को बुहाना पंचायत समिति में प्रत्याशी प्रबोधन कार्यशाला आयोजित की गई। शाम 3 बजे हुई कार्यशाला में पंच, सरपंच और पंचायत समिति सदस्य पद के इच्छुक प्रत्याशियों ने भाग लिया। कार्यशाला में अधिकारियों ने प्रत्याशियों को नामांकन फॉर्म भरने की प्रक्रिया, जरूरी दस्तावेजों और निर्वाचन संबंधी नियमों की जानकारी दी। साथ ही फॉर्म भरने का प्रशिक्षण देकर नामांकन प्रक्रिया से जुड़ी महत्वपूर्ण बातों को समझाया गया। अधिकारियों ने कहा कि प्रत्याशी निर्धारित नियमों के अनुसार नामांकन फॉर्म भरें और सभी आवश्यक दस्तावेज साथ रखें, ताकि नामांकन प्रक्रिया में किसी तरह की परेशानी नहीं हो। कार्यशाला में आरओ एवं एसडीएम शकुंतला, आरओ बाबूलाल जाट, बुहाना बीडीओ मानसिंह, सिंचना बीडीओ अशोक कुमार, बीएलएमटी रोशन जांगिड़, नरेश सुमन, अजित राव, देश दीपक, राजाराम, पवन कुमार, रोहताश और राजेश सोमरा मौजूद रहे।

## टैगोर फाउंडेशन स्कूल में अंताक्षरी प्रतियोगिता में प्रथम रहा प्रियांशु सैनी

निर्स

**उदयपुरवाटी ( नवयत्न )**। कस्बे में चुंगी नंबर तीन के पास स्थित कुआं गौड़जीहाला पर टैगोर फाउंडेशन स्कूल में शनिवार के अंतिम कालांश में अंताक्षरी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें बच्चों ने अपनी बुद्धिमता का परिचय देते हुए मीनिंस की बौछार कर दी और सबसे ज्यादा मीनिंस के सही जवाब देकर विजेता भी बने। विजय हुए विद्यार्थियों को कार्यक्रम के आयोजक रहे डॉक्टर राजेंद्र कुमावत ने मौके पर उनको शानदार मोमेंटो देकर सम्मानित भी किया। स्वास्थ्य चर्चा के बाद आयोजित हुई इस अंताक्षरी प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पर प्रियांशु सैनी, दूसरे पर सरस सैनी व तीसरे स्थान पर रूपिका सैनी रही। इसके अतिरिक्त चेतन सैनी व हिमांशु सैनी ने भी अपनी एकाग्रचित्ता का परिचय दिया, जिस पर सात्वना पुरस्कार देकर उनका भी मान बढ़ाया जाएगा। कार्यक्रम के दौरान स्कूल के टैगोर फाउंडेशन स्कूल के डायरेक्टर सुनील सैनी उर्फ सोनू सर, विज्ञान के वरिष्ठ अध्यापक सुनील कुमार सैनी, महेंद्र कुमार स्वामी, संगीता सैनी, क्रिष्ण एले स्कूल की वरिष्ठ अध्यापिका नेहा सैनी, अंतिमा सैनी सहित विद्यालय का समस्त स्टाफ मौजूद रहा।

# बस 2 मिनट, अभी आया...

# आपकी छोटी-सी लापरवाही दूसरों के लिए बन सकती है घंटों की परेशानी

## नवरात्र से शुरू होगा त्योहारों का सिलसिला, बढ़ेगी बाजारों में भीड़

## बेतरतीब पार्किंग से बचने की जरूरत

निलेश गुदगल

**झुंझुनू ( नवयत्न )**। बस 2 मिनट, अभी आया. . . कहकर सड़क किनारे या दुकान के सामने वाहन खड़ा करने की आदत त्योहारों के दौरान दूसरों के लिए परेशानी बन सकती है। 11 अक्टूबर को नवरात्र की घट स्थापना के साथ त्योहारों का सिलसिला शुरू होगा। इसके बाद दशहरा, धनतेरस और दीपावली पर बाजारों में खरीदारी के लिए लोगों की आवाजाही बढ़ेगी। ऐसे में सड़क पर बेतरतीब खड़े वाहन जाम का कारण बन सकते हैं। अवसर लोग कुछ मिनट के काम के लिए अपना वाहन सड़क पर खड़ा कर देते हैं। इससे पीछे आने वाले वाहनों को निकलने में परेशानी होती है। खासकर बाजारों की संकरी सड़कों, चौराहों और मुख्य मार्गों पर एक वाहन भी यातायात बाधित कर सकता है। धीरे-धीरे वाहनों की कतार लग जाती है और लोगों को जाम में फंसना पड़ता है।

## निर्धारित पार्किंग में खड़े करें वाहन

त्योहारी सीजन में बाजारों में भीड़ बढ़ने के साथ यातायात व्यवस्था बनाए रखना जरूरी होगा। इसके लिए वाहन चालकों को निर्धारित पार्किंग स्थलों का इस्तेमाल करना चाहिए। मुख्य मार्गों, चौराहों और संकरी सड़कों पर वाहन खड़ा करने से बचना चाहिए। दुकानदारों और ग्राहकों को भी ध्यान रखना होगा कि उनकी वजह से सड़क पर आवाजाही बाधित नहीं हो।

## एम्बुलेंस और दमकल के लिए रास्ता जरूरी

बीडीके अस्पताल के आसपास सड़क पर गलत तरीके से खड़े वाहन केवल जाम ही नहीं लगाते, बल्कि आपात स्थिति में परेशानी भी बढ़ा सकते हैं। एम्बुलेंस, दमकल और पुलिस के वाहनों को जरूरत पड़ने पर तुरंत रास्ता मिलना जरूरी है। ऐसे में सड़क पर खड़ा एक वाहन मरीज को अस्पताल पहुंचाने या आग बुझाने में देरी का कारण बन सकता है।



## दुकानदार और ग्राहक भी निभाएं जिम्मेदारी

त्योहार खुशियों और उत्साह के पर्व हैं। बाजारों की रौनक बनी रहे और लोगों को खरीदारी के दौरान परेशानी न हो, इसके लिए दुकानदारों और ग्राहकों दोनों को जिम्मेदारी समझनी होगी। दुकानदारों को भी अपनी दुकानों के सामने रास्ता बाधित नहीं होने देना चाहिए। वहीं, ग्राहकों को खरीदारी के लिए निकलते समय पार्किंग की व्यवस्था का ध्यान रखना चाहिए।

## दैनिक नवयत्न की अपील

नवरात्र से शुरू हो रहे त्योहारों के दौरान वाहन निर्धारित पार्किंग में ही खड़े करें। सड़क को आवागमन के लिए खुला रखें और दूसरों की परेशानी का कारण न बनें। आपकी छोटी-सी सावधानी कई लोगों को जाम में फंसने से बचा सकती है। सड़क पर किसी भी आपात स्थिति में 112 पर कॉल करें।

## छोटी सावधानी से मिलेगी बड़ी राहत

त्योहार खुशियों और उत्साह के पर्व हैं। बाजारों में रौनक बनी रहे और लोगों को खरीदारी के दौरान जाम का सामना न करना पड़े, इसके लिए सभी को अपनी जिम्मेदारी समझनी होगी। कुछ मिनट की सुविधा के लिए सड़क पर वाहन खड़ा करने से बचना जरूरी है।

## पंचायती

## राज चुनाव

## नामांकन फॉर्म, जरूरी दस्तावेज, घोषणा-पत्र और शपथ-पत्र की दी जानकारी

अशोक साईका

**झुंझुनू ( नवयत्न )**। पंचायती राज चुनाव में पंच, सरपंच, पंचायत समिति और जिला परिषद सदस्य पद के लिए चुनाव लड़ने के इच्छुक 137 लोगों ने शनिवार को जिला स्तरीय प्रत्याशी प्रबोधन कार्यशाला में भाग लिया। सूचना केंद्र सभागार में आयोजित कार्यशाला में प्रत्याशियों को नामांकन फॉर्म भरने की प्रक्रिया, जरूरी दस्तावेज और निर्वाचन संबंधी नियमों की जानकारी दी गई। जिले की संबंधित पंचायत समिति मुख्यालयों पर भी कार्यशालाएं आयोजित की गईं। मुख्य कार्यकारी अधिकारी परशुराम धानका ने बताया कि कार्यशाला का उद्देश्य चुनाव लड़ने के इच्छुक लोगों को नामांकन प्रक्रिया और निर्वाचन नियमों से अवगत कराना था, ताकि वे निर्धारित दिशा-निर्देशों के अनुसार अपना नामांकन प्रस्तुत कर सकें।

**फॉर्म भरते समय सावधानी बरतने की सलाह**-जिला स्तरीय कार्यशाला में डीएलएमटी सुरेंद्र डूडी ने नामांकन पत्र भरने के विभिन्न चरणों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि नामांकन फॉर्म में मांगी गई सभी जानकारीयां सही तरीके से भरना और आवश्यक प्रविष्टियों की जांच करना जरूरी है। इसके साथ ही

## सांस्कृतिक

## कार्यक्रम आयोजित



सुरेन्द्र शर्मा

**झुंझुनू ( नवयत्न )**। सेट मोतीलाल टीचर्स एजुकेशन कॉलेज में शनिवार को सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किया गया। प्राचार्य डॉ. दिनेश कुमार सिंह ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की। संस्था सचिव जी.एल. शर्मा कार्यक्रम में मुख्य अतिथि थे।

राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद नई दिल्ली व भारत सरकार द्वारा चलाये जा रहे जागरूकता सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किया गया। प्रशिक्षणार्थियों ने अपने आप को जागरूक करने व समाज में नशा मुक्त करने पर बल दिया। संस्था में इसकी शपथ दिलाई गई। समाज व विकसित भारत करने पर जोर दिया। इस अवसर पर महाविद्यालय स्टाफ सुशील कुमार शर्मा, नरेश धौवा, डॉ. सुषमा शर्मा, इन्द्र कुमार शर्मा व धर्मवीर योगी उपस्थित रहे।

## 137 भावी प्रत्याशियों ने लिया

## प्रशिक्षण, नामांकन प्रक्रिया समझाई



नामांकन पत्र के साथ जमा होने वाले दस्तावेजों, घोषणा-पत्र और शपथ-पत्र के बारे में भी विस्तार से समझाया गया। प्रशिक्षण के दौरान नामांकन फॉर्म भरते समय होने वाली संभावित गलतियों, दस्तावेजों की कमी और जरूरी औपचारिकताओं पर चर्चा की गई। प्रत्याशियों को सलाह दी गई कि नामांकन जमा करने से पहले फॉर्म में दर्ज विवरणों और संलग्न दस्तावेजों की अच्छी तरह जांच कर लें, ताकि किसी त्रुटि के कारण परेशानी का सामना नहीं करना पड़े।

## अधिकारियों ने किया शंकाओं का समाधान

कार्यशाला के दौरान झुंझुनू उपखंड अधिकारी रामकरण सिंह और आरएसएस शिवा चौधरी ने प्रत्याशियों के सवालों के जवाब दिए और नामांकन प्रक्रिया से जुड़ी शंकाओं का समाधान किया। उन्होंने निर्वाचन संबंधी नियमों और प्रक्रियाओं की जानकारी देते हुए निर्धारित दिशा-निर्देशों की पालना करने की बात कही। कार्यशाला में प्रशिक्षण प्रकाश प्रभारी एवं अतिरिक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी रामनिवास सहित 137 भावी प्रत्याशियों ने भाग लिया।

# वालीबॉल प्रतियोगिता सम्पन्न



निर्स

**नवलगढ़ ( नवयत्न )**। स्थानीय श्री राधेश्याम आर मोरारका राजकीय महाविद्यालय नवलगढ़ प्रांगण में पं दीनदयाल उपाध्याय शेखावाटी विश्वविद्यालय सीकर द्वारा आयोजित अन्तर महाविद्यालय वालीबॉल पुरुष व महिला प्रतियोगिताएं संपन्न हुईं। प्रातः कालीन सत्र में पुरुष वर्ग का फाइनल मैच गत दो वर्षों की चैंपियन श्री राधेश्याम आर मोरारका राजकीय महाविद्यालय नवलगढ़ व भगवानदास तोदी महाविद्यालय लक्ष्मणगढ़ के बीच खेला गया जिसमें राजकीय महाविद्यालय नवलगढ़ ने लक्ष्मणगढ़ को 25-17 व 25-15 से सीधे सेटों में हराकर अपनी श्रेष्ठता सिद्ध करते हुए जीत की हैट्रिक बनाई। महिला वर्ग में श्री राधेश्याम आर मोरारका राजकीय महाविद्यालय नवलगढ़ में न्यू राजस्थान बालिका महाविद्यालय झुंझुनू को 25-17 व 26-24 से हराकर लगातार चौथी बार चैंपियन बनने का गौरव हासिल किया। महिला वर्ग के मुकाबलों में राजकीय महाविद्यालय गुढ़ा ने ग्रामीण महिला महाविद्यालय सीकर को 25-08 व 25-14 से हराया फ्रेंड्स महिला महाविद्यालय सांवलपुरा सीकर ने वेदांता गर्ल्स कालेज रींगस को 25-10, 25-07 से व राजकीय महिला महाविद्यालय झुंझुनू को 25-07, 25-11 से हराया। आर्यन महिला महाविद्यालय रानोली ने श्रीमती मनभरी महाविद्यालय चनाणा को 25-12, 25-

11 व राजकीय महाविद्यालय गुढ़ा को 25-20 व 25-21 से हराया। न्यू राजस्थान महिला महाविद्यालय झुंझुनू ने महिला टी टी कालेज रींगस को 25-13 व 25-18 से फ्रेंड्स महिला महाविद्यालय सांवलपुरा सीकर को 25-10 व 25-18 से हराकर फाइनल में जगह बनाई। श्री राधेश्याम आर मोरारका राजकीय महाविद्यालय नवलगढ़ ने जी एस एस कॉलेज चिड़वा को 25-07, 25-11 से व आर्यन महिला महाविद्यालय रानोली को 25-19 व 25-14 से हराकर फाइनल में पहुंची। पारितोषिक वितरण कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ वी एस झाझड़िया थे। सभी ज्योति के प्रशाननिक अधिकारी संजय शर्मा, राष्ट्रीय स्तर के वालीबॉल कोच व प्रतियोगिता पर्यवेक्षक बसंत मान, नीलम विशिष्ट अतिथि थे। कार्यक्रम का अध्यक्षता महाविद्यालय के प्राचार्य प्रोफेसर अरविन्द कुमार महला ने की। कार्यक्रम का संचालन डॉ नरेश कुमार ने की। प्रतियोगिता के आयोजन सचिव डॉ राजेश कुमार ढाका ने बताया कि वालीबॉल पुरुष वर्ग में कुल 18 व महिला वर्ग में कुल 13 महाविद्यालयों की टीमों ने भाग लिया। श्रेष्ठ खिलाड़ियों नवजोत व विशाल को डॉ वी एस झाझड़िया ने श्रेष्ठ खिलाड़ियों नवजोत व विशाल 5100-5100 रुपए का नकद पुरस्कार दिया। इस अवसर पर पारितोषिक हेतु राशि भेंट करने के लिए सेवा ज्योति आर आर मोरारका चैरिटेबल ट्रस्ट के प्रति संस्था की ओर से प्राचार्य प्रो. महला ने आभार प्रकट किया गया।

## ब्लॉक स्तरीय सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता में पाक्षिक मीणा प्रथम



निर्स

**खेतड़ी नगर ( नवयत्न )**। श्री लक्ष्मण भैयाजी सेवा संस्थान की ओर से 28 सितंबर को आयोजित ब्लॉक स्तरीय सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता-2026 का परिणाम शनिवार को घोषित किया गया। इसमें खेतड़ी नगर की राउमावि के कक्षा 11वीं के छात्र पाक्षिक मीणा ने खेतड़ी ब्लॉक में प्रथम स्थान हासिल कर विद्यालय का नाम रोशन किया। वहीं कक्षा 12वीं के छात्र अजय कुमार ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। विद्यालय के व्याख्याता लालुप्रसाद छाबड़ी ने बताया कि प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने उत्साह के साथ भाग लिया। परिणाम घोषित होने पर प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले पाक्षिक मीणा को संस्थान की ओर से 11 हजार रुपए तथा तीसरा स्थान प्राप्त करने वाले अजय कुमार को 2100 रुपए का नकद पुरस्कार देकर सम्मानित किया जाएगा। दोनों विद्यार्थियों को इस उपलब्धि पर विद्यालय स्टाफ ने खुशी जताते हुए उन्हें बधाई दी। साथ ही उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। विद्यार्थियों की सफलता से विद्यालय में उत्साह का माहौल है।



सम्पादकीय

अमेरिकी अहंकार



अमेरिकी प्रशासन ने प्रशिक्षित विदेशी कर्मियों को अपने यहां स्थायी निवास हासिल करने की अनुमति देने वाले एक कार्यक्रम से भारत की प्रमुख आईटी कंपनियों को जिस तरह बाहर किया, उससे उसके भारत विरोधी रवैए के साथ अहंकार का भी परिचय मिलता है। उसने कुछ अमेरिकी कंपनियों को भी इस कार्यक्रम से बाहर किया है, लेकिन यह स्पष्ट है कि वह भारत को खास तौर पर निशाना बनाना चाहता है। अमेरिकी सरकार ने इस फैसले के साथ ही आईटी कंपनियों का यह निर्देश दिया कि वे विदेशी कर्मियों के स्थान पर अमेरिकी नागरिकों को काम पर रखें। एक तो यह इतना आसान नहीं, क्योंकि भारत जैसे सक्षम आईटी पेशेवर वहां हैं नहीं और दूसरे इससे कंपनियों का खर्च भी बढ़ेगा। ऐसे में वे विकल्प तलाशेंगी। वे अपने ग्लोबल कैम्पेबिलिटी सेंटर भारत लाने का काम और तेज कर सकती हैं। इससे कुलमिलाकर अमेरिका को ही नुकसान होगा। अमेरिका भारत को अपने दबाव में लेने की कोशिश में यह भूल रहा है कि वह जिन आईटी पेशेवरों की राह रोकना चाहता है, उन्होंने उसके विकास में उल्लेखनीय योगदान दिया है। इनमें सबसे अधिक योगदान भारतीयों का है। लगता है उसे यह पच नहीं रहा है और इसीलिए वह भारतीय पेशेवरों के लिए वीजा नियम भी सख्त करता चला जा रहा है। यदि अमेरिका यह समझ रहा है कि उसके मनमाने फैसलों से भारत उसके दबाव में आ जाएगा तो यह होने वाला नहीं। यह एक तथ्य है कि भारत व्यापार समझौते के मामले में उसकी मनचाही शर्तों को मानने को तैयार नहीं। इसी तरह वह रूस से तेल आयात बंद करने को भी तैयार नहीं।

समस्या केवल यह नहीं है कि ट्रंप के नेतृत्व में अमेरिकी प्रशासन एक बाद एक ऐसे फैसले ले रहा है, जो भारत के लिए परेशानी खड़ी करने और दोनों देशों के संबंधों में खटास बढ़ाने वाले हैं, बल्कि यह भी है कि एलन मस्क जैसे उसके कारोबारी ट्रंप प्रशासन की तरह ऐसे व्यवहार कर रहे हैं, जैसे भारत को वही करना चाहिए, जो वे कह रहे हैं।

वे यह चाह रहे हैं कि भारत सैटेलाइट के जरिए इंटरनेट उपलब्ध कराने वाली उनकी स्टारलिन सेवा को बिना रोक-टोक आने दे। इस मामले में वे भारत की चिंताओं पर गौर करने को तैयार नहीं। निःसंदेह वे विश्व के सबसे बड़े और धनी कारोबारी हैं, लेकिन इसका यह मतलब नहीं कि भारत में अपनी शर्तों पर कारोबार करने को अपना जन्मसिद्ध अधिकार समझ लें। उन्होंने ऐसा ही अड़ियल रवैया अपनी टेस्ला कार को भारत में उपलब्ध कराने के मामले में भी अपनाया था। वास्तव में वे भी ट्रंप प्रशासन की तरह अहंकार का ही प्रदर्शन कर रहे हैं। अब जब अमेरिका मित्र देश जैसा व्यवहार नहीं कर रहा है, तब भारत को भी उसका प्रतिकार करने की तैयारी करनी चाहिए।

रूस से डीजल खरीदेंगे ट्रंप, जेलेंस्की हुए आग बबूला अमेरिकी राष्ट्रपति के दोहरेपन को देख दुनिया में मची हायतौबा

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने रूस से डीजल खरीदने का फैसला कर लिंडसे ग्राहम को मानो श्रद्धांजलि दे दी है। यह कटाक्ष इसलिए है, क्योंकि भारत रूस से तेल खरीदे तो उस पर सौ फीसदी टैरिफ लगा दिया जाता है, लेकिन अमेरिका वही काम करे तो उसे शानदार फैसला बताया जाता है। यही नहीं, नोबेल शांति पुरस्कार नहीं मिला, तो ट्रंप ने अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायालय पर ही प्रतिबंध लगा दिए। आखिर यह कैसी नीति है? दूसरों को नियमों का पाठ पढ़ाने वाले ट्रंप जब अपने देश के हितों की बात आती है, तो उन्हीं नियमों को भूल जाते हैं। भारत पर रूस से तेल नहीं खरीदने का दबाव बनाने वाले ट्रंप अब खुद रूस से डीजल खरीद रहे हैं, इस फैसले ने पूरी दुनिया को हैरान कर दिया है इसलिए सवाल उठ रहा है कि रूस से तेल खरीदना गलत है, या गलत सिर्फ तब है जब भारत खरीदे? यही है ट्रंप की नीति का दोहरापन और खोखलापन। नक्शेदेखें

देखा जाये तो रूसी ऊर्जा खरीद को लेकर भारत पर दबाव बनाने वाले ट्रंप का ताजा फैसला उनकी कथनी और करनी के बीच की खाई को उजागर करता है। उल्लेखनीय है कि ट्रंप ने रूस से तत्काल तीन लाख टन से अधिक डीजल की आपूर्ति के साथ नवंबर में पांच लाख टन, उसके बाद दस लाख टन और फिर कुछ ही समय में तीस लाख टन अतिरिक्त डीजल की आपूर्ति की घोषणा की है। अमेरिकी प्रशासन ने रूसी डीजल की आपूर्ति को सुगम बनाने के लिए अस्थायी सामान्य अनुमति भी जारी की है, जिसके अंतर्गत निर्धारित शर्तों को पूरा करने वाले कुछ माल पर अप्रैल 2027 तक प्रतिबंधों में छूट का प्रावधान किया गया है।

गौरतलब है कि यह वही प्रशासन है जिसने रूस की युद्ध अर्थव्यवस्था पर दबाव बढ़ाने के उद्देश्य से प्रतिबंधों को सख्त करने की नीति अपनाई थी। लेकिन जब अमेरिका में ईंधन की कीमतें बढ़ीं और किसानों, ट्रक चालकों तथा कारोबारियों पर दबाव बढ़ा, तो रूस से ऊर्जा खरीद अचानक स्वीकार्य हो गई। दरअसल अमेरिका में नवंबर की शुरुआत में मध्यावधि चुनाव होने हैं और ट्रंप की नीतियों के चलते वहां महंगाई अप्रत्याशित रूप से बढ़ गयी है जिसके चलते जनता नाराज है।

रिपोर्टों के मुताबिक, सितंबर में अमेरिकी डीजल की कीमत 6.52 डॉलर प्रति गैलन के रिकॉर्ड स्तर तक पहुंच गयी थी और शुक्रवार को लगभग 6.28 डॉलर प्रति गैलन रही। तीन नवंबर को होने वाले मध्यावधि चुनावों से पहले महंगाई का सवाल ट्रंप के लिए बड़ा सिरदर्द बन चुका है। सर्वेक्षणों के मुताबिक, 78 प्रतिशत अमेरिकी नागरिकों ने बढ़ती जीवन-यापन लागत के लिए ट्रंप की नीतियों को जिम्मेदार माना है। इसलिए जब अमेरिकी मतदाताओं की जेब का सवाल आया, तो रूस से डीजल खरीदना ट्रंप के लिए राष्ट्रीय हित बन गया। लेकिन भारत अपनी ऊर्जा जरूरतों और आर्थिक हितों के अनुसार रूसी तेल खरीदे, तो उसे टैरिफ का सामना करना पड़ता है। इसलिए सवाल उठता है कि यह कैसी निष्पक्षता है? यह कैसी नियम-आधारित व्यवस्था है, जिसमें नियम दूसरों के लिए हैं और छूट अपने लिए?

दूसरी ओर, ट्रंप के इस फैसले ने यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की की नाराजगी भी बढ़ा दी है। उन्होंने



इसे अनुचित और बेईमानी भरा कदम बताते हुए कहा कि इससे पुतिन को जन्मदिन का उपहार मिलने जैसा संदेश जाता है। जेलेंस्की की आपत्ति इसलिए भी गंभीर है, क्योंकि यह घोषणा ऐसे समय हुई, जब ट्रंप के प्रतिनिधि यूक्रेनी और यूरोपीय अधिकारियों के साथ युद्ध समाप्त करने के प्रस्तावों पर बातचीत कर रहे थे।

जेलेंस्की ने यह भी संकेत दिया कि यदि ऊर्जा प्रतिबंधों में ढील दोनों देशों की ओर से सर्दियों में ऊर्जा ढांचे पर हमले रोकने जैसे पारस्परिक समझौते का हिस्सा होती, तो उसका समर्थन किया जा सकता था। लेकिन बिना ऐसी शर्तों के रियायत देना रूस की युद्ध क्षमता को आर्थिक सहारा देने जैसा दिखाई देता है। वहीं अमेरिकी रिपब्लिकन नेता डॉन बेकन ने भी इस फैसले की आलोचना की। उनका तर्क था कि अमेरिकी किसानों और उपभोक्ताओं के लिए डीजल सस्ता करना जरूरी है, लेकिन इसके लिए रूस से ईंधन खरीदना गलत रास्ता है। उन्होंने पूछा कि जब अमेरिकी संसद ने रूस पर दबाव बढ़ाने के लिए कानून पारित किया और ट्रंप ने स्वयं उस पर हस्ताक्षर किए, तो अब उसी दबाव को कमजोर करने का औचित्य क्या है?

इसके अलावा, ट्रंप की राजनीति का दूसरा चिंताजनक पहलू अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं के प्रति उनका रवैया है। अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायालय की पूर्व न्यायाधीश नवी पिल्ले को नोबेल शांति पुरस्कार मिलने के कुछ ही घंटों बाद ट्रंप प्रशासन ने न्यायालय के विरुद्ध प्रतिबंधों की घोषणा कर दी। नवी पिल्ले को सम्मान ऐसे समय मिला, जब अंतरराष्ट्रीय न्यायिक संस्थाओं पर राजनीतिक दबाव बढ़ने को लेकर चिंताएं व्यक्त की जा रही थीं। नोबेल समिति ने युद्ध अपराधियों को जवाबदेह ठहराने और पीड़ितों को न्याय दिलाने वाली अंतरराष्ट्रीय कानूनी व्यवस्था को शांतिपूर्ण विश्व की अनिवार्य शर्त बताया। नवी पिल्ले को नोबेल शांति पुरस्कार मिलते ही ट्रंप जैसे बौखला गये और कुछ घंटों बाद अमेरिकी

विदेश मंत्री मार्को रूबियो ने कहा कि ट्रंप अमेरिकी नागरिकों पर अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायालय का अभियोजन स्वीकार नहीं करेंगे। अमेरिकी प्रशासन ने न्यायालय के साथ लेन-देन पर रोक लगाने और उसके संसाधनों को बाधित करने की मंशा जाहिर की। वहीं अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायालय ने इसे कानून के शासन और अंतरराष्ट्रीय कानूनी व्यवस्था की बुनियाद पर हमला बताया। देखा जाये तो यहाँ भी वही पुराना सवाल सामने आता है कि क्या अंतरराष्ट्रीय कानून केवल कमजोर देशों और विरोधियों पर लागू होना चाहिए? क्या अमेरिका को अपने नागरिकों और अधिकारियों को किसी भी अंतरराष्ट्रीय जवाबदेही से ऊपर रखने का अधिकार मिल जाना चाहिए? ऐसा लगता है कि वाशिंगटन अंतरराष्ट्रीय जवाबदेही की सीमाएं अपने हिसाब से तय करना चाहता है। ट्रंप की राजनीति में सबसे बड़ा विरोधाभास यही है कि वे राष्ट्रीय हित का इस्तेमाल कभी प्रतिबंधों को उचित ठहराने के लिए करते हैं, तो कभी उन्हीं प्रतिबंधों को कमजोर करने के लिए। भारत के लिए रूसी तेल आर्थिक और ऊर्जा संबंधी जरूरतों का प्रश्न है, लेकिन अमेरिका के लिए वही रूसी ऊर्जा घरेलू महंगाई घटाने और चुनावी नुकसान रोकने का साधन बन जाती है। नक्शेदेखें

इसी तरह, अंतरराष्ट्रीय न्याय की बात तब तब स्वीकार्य दिखाई देती है, जब तक वह अमेरिकी सत्ता और उसके सहयोगियों के हितों से न टकराए। जैसे ही जवाबदेही का सवाल उठता है, स्वतंत्र न्यायिक संस्था को ही निशाना बनाया जाने लगता है। यह केवल नीतिगत असंगति नहीं, बल्कि उस नैतिक दावे की कमजोरी है जिसके आधार पर अमेरिका दुनिया को नियमों, लोकतंत्र और न्याय का उपदेश देता रहा है। ट्रंप ने अपने फैसलों से यह धारणा मजबूत की है कि उनके लिए सिद्धांत स्थायी नहीं, बल्कि परिस्थितियों और राजनीतिक लाभ के अनुसार बदलने वाली चीज हैं।

स्वास्थ्य समाचार

इतिहास और प्रकृति की नजदीकी है पसंद, तो घूम आएंगे खारे पानी की झील वाले शहर ‘जांगलदेश’

इन गर्मियों की छुट्टियों में अगर आप कहीं घूमने जाने का प्लान बना रहे हैं, तो आपको अपनी मंजिल चुनने से पहले कुछ बातों पर गौर जरूर करना चाहिए। दरअसल, हर व्यक्ति को घूमने के लिए अलग-अलग तरह की जगहें पसंद होती हैं। ऐसे में अगर आपको इतिहास, प्राकृतिक विविधता और खूबसूरती भर नजारे देखने हैं, तो ऐसी एक बहुत ही शानदार जगह है। जिसका नाम है, नागौर, जो देश के सबसे बड़े खारे पानी वाली झील का शहर है। माइक्रोक्लाइमिंग प्लेटफॉर्म, क्यू ऐप पर राजस्थान पर्यटन विभाग द्वारा नियमित रूप से प्रदेश के प्रमुख पर्यटन स्थलों के बारे में जानकारी दी जाती है। कुछ वक्त पहले राजस्थान टूरिज्म ने उत्तर-पश्चिम मेवाड़ इलाके में स्थित नागौर के बारे में पोस्ट शेयर की थी। उत्तर में चूरू, उत्तर पश्चिम में बीकानेर और पूर्वोत्तर में सीकर जिले से घिरे नागौर के दक्षिण में पाली और पश्चिम व दक्षिण पश्चिम में जोधपुर हैं। इसके अलावा पूर्व में जयपुर व दक्षिण पूर्व में अजमेर हैं। नागौर जिले के दक्षिण पूर्व में खूबसूरत अरावली श्रृंखला है, जबकि दक्षिण पश्चिम में भारत की सबसे बड़ी खारे पानी वाली सांभर झील है। राजस्थान के बीच में स्थित नागौर को महाभारत काल में जांगलदेश के नाम से पुकारा जाता था। मुगल बादशाह शाहजहां ने राजा अमर सिंह राठौर को यह भेंट के रूप में दिया था और यह थार रेगिस्तान में यह फैला हुआ है। इस शहर पर कई बार आक्रमण हुआ और नागवंश, चौहान, राठौड़, मुगल और अंग्रेजों ने सालों तक राज किया।

लाडनूँ

समूचे भारत में सूती साड़ियों में यहां की साड़ियों को काफी बेहतरीन माना जाता है और इन साड़ियों को चटक रंग के साथ मुलायम कपड़े के लिए

पसंद किया जाता है। 10वीं सदी में बसा यह स्थान जैन धर्म का महत्वपूर्ण केंद्र होने के साथ अहिंसा-करुणा का भी आध्यात्मिक केंद्र है।

खीरसर किला

एक हैरियेटेज होटल के रूप में विकसित किए जा चुके इस किले के बारे में माना जाता है कि इसे भी द्वितीय शताब्दी में नागवंश शासक द्वारा निर्मित करवाया गया था। थार रेगिस्तान के पूर्वी किनारे पर स्थित इस किले के आसपास काले हिरण घूमते नजर आ जाते हैं।

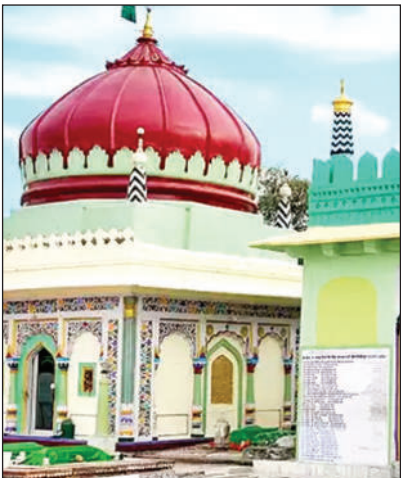
कुचामन शहर

यहां बनी हवेलियां अपने शानदार वास्तुशिल्प के चलते शेखावाटी की हवेलियों से मिलती-जुलती दिखती हैं। यहां का सबसे महत्वपूर्ण कुचामन किला बहुत मशहूर है और दूर-दूर से लोग इसे देखने आते हैं। एक खड़ी पहाड़ी की चोटी पर बना यह राजस्थान का सबसे प्राचीन और दुर्गम किला है। इसके भीतर अपने आप में शानदार जल संचयन तकनीक, खूबसूरत महल के साथ अद्भुत भित्ति चित्र सैलानियों को काफी आकर्षित करते हैं। यहां पर जोधपुर के शासक की सोने-चांदी के सिक्कों की टकसालें भी मौजूद थीं। इस किले से ना केवल शहर बल्कि झील का मनोरम दृश्य और शहर के पुराने मंदिर, जाव का बाड़ी और खूबसूरत हवेली भी आसानी से देखी जा सकती है।

अहिछत्रगढ़ किला

और संग्रहालय

नागौर में बने अहिछत्रगढ़ को ‘फोर्ट ऑफ हुडेड कोबरा’ यानी ‘नागराज का फन’ का नाम दिया गया है। करीब 36 एकड़ क्षेत्रफल में फैले इस



किले को 1985 में मेहरानगढ़ म्यूजियम ट्रस्ट के संरक्षण में सौंप दिया गया था। यहां के महलों में ऐतिहासिक राजसी कुर्सी, मेज, सोफा, पलंग आदि लगे हुए हैं और दीवारों पर शाही चित्रकारी के अलावा बेहतरीन सजावटी सामान मौजूद है। 2002 में नागौर किले को संस्कृति विरासत संरक्षण के लिए यूनेस्को एशिया के पैसिफिक हैरिटेज अवार्ड से सम्मानित किया गया।

झोरड़ा

नागौर का झोरड़ा एक छोटा गांव है और कवि ‘कानदानकल्पित’ तथा प्रसिद्ध सुफी संत ‘बाबा हरिराम’ के जन्मस्थली है और इसके मशहूर होने की भी वजह है। हर साल भाद्रपद की चतुर्थी-पंचमी को सालाना मेला लगता है, जिसमें दिल्ली, हरियाणा, पंजाब, राजस्थान और उत्तर प्रदेश समेत अन्य स्थानों के लोग आते हैं।



मीरा बाई स्मारक

यहां पर लाइट-साउंड शो के जरिए मीरा बाई का पूरा जीवन दिखाया जाता है। इसमें बचपन, भगवान श्रीकृष्ण के प्रति प्रेम, उनको पति और आराध्य मानने का किस्सा, मेवाड़ के राजकुमार के साथ मीरा बाई के विवाह, पति की मृत्यु, राजसी वैभव त्यागकर वैराग्य के मार्ग पर जाने, वृंदावन-द्वारका में प्रवास को बेहतरीन रंग-बिरंगी रोशनी, ऑडियो के जरिए लुभावने ढंग से प्रदर्शित किया जाता है। इस दौरान मीरा बाई से जुड़े संगीतमय भजनों से पूरा माहौल भक्तिमय हो जाता है।

बड़े पीर साहब दरगाह

मशहूर पवित्र स्थान होने के चलते बड़े पीर साहब की दरगाह को 17 अप्रैल 2008 को बतौर संग्रहालय के रूप में भी खोल दिया गया। यहां मशहूर कुरान शरीफ है, जिसे हजरत सैयद सेफुद्दीन अब्दुल जीलानी ने सुनहरी रस्याही में लिखा था। इसके साथ उनकी छड़ी, पगड़ी/टोपी के साथ ऐतिहासिक महत्व की तमाम चीजें भी मौजूद हैं। यहां 1805 तक के प्राचीन भारतीय सिक्के, अब्राहम लिंकन की छवि वाले अमेरिकी सिक्के भी मौजूद हैं।

नागौर किला

राजपूत और मुगल स्थापत्य कला के बेहतरीन नमूने के रूप में मौजूद नागौर के किले के बारे माना जाता है इसे द्वितीय शताब्दी में नाग राजवंश शासक द्वारा निर्मित करवाया गया था। इसके बाद 12वीं शताब्दी में पुनर्निर्माण हुआ। तमाम लड़ाइयों का साक्षी यह किला उत्तर भारत के पहले मुगल गढ़ों में से एक होने के नाते राजपूत-मुगल स्थापत्य शैली का शानदार उदाहरण है। वर्ष 2007 में यहां फवारे और खूबसूरत उद्यान के साथ पुनर्निर्माण हुआ और इसकी चमक में चार चांद लग गए। यह सूफी संगीत उत्सव के आयोजन के लिए मशहूर है।

अपनी ओर आकर्षित करता है ऋषिकेश का शांत और सुरम्य वातावरण

दिल्ली-एनसीआर के लोगों के लिए हर वीकेंड का पर्यटन स्थल ऋषिकेश धार्मिक दृष्टि से भी काफी महत्व रखता है। ऋषियों-मुनियों की इस तपोभूमि पर कई मंदिर ऐसे हैं जिनका उल्लेख पौराणिक ग्रंथों में भी मिलता है। ऋषिकेश को गढ़वाल हिमालय का प्रवेश द्वार और विश्व की योगनगरी के रूप में भी जाना जाता है। ऋषिकेश चार धाम तीर्थ स्थानों- बद्रीनाथ, केदारनाथ, गंगोत्री और यमुनोत्री के अलावा हरसिल,

चोपता, औली जैसे हिमालयी पर्यटन स्थलों की यात्रा के लिए प्रारम्भिक बिन्दु भी है। ऋषिकेश का शांत और सुरम्य वातावरण सभी को अपनी ओर आकर्षित करता है। भारत के पवित्र स्थलों में से एक ऋषिकेश में कई साधु-संतों का आश्रम भी है। ऋषिकेश की सुंदरता बढ़ाने के लिए हिमालयी की निचली पहाड़ियों और कल-कल बहती गंगा नदी भी अपना योगदान देती हैं। ऋषिकेश को चारधाम यानि केदारनाथ,

बद्रीनाथ, गंगोत्री और यमुनोत्री का प्रवेशद्वार माना जाता है। यहां सिर्फ भारतीय ही नहीं बल्कि विदेशी लोग भी अस्थायत और शांति की चाह में आते हैं और मोक्ष के लिए ध्यान लगाते हैं। ऋषिकेश के लोकप्रिय स्थलों की बात करें तो उसमें सबसे पहले लक्ष्मण झूला का नाम आता है। कहा जाता है कि गंगा नदी को पार करने के लिए लक्ष्मणजी ने इस स्थान पर जुट का झूला बनवाया था। झुले के बीच में पहुंचने पर वह

हिलता हुआ प्रतीत होता है। 450 फीट लम्बे इस झुले के समीप ही लक्ष्मण और रघुनाथ मन्दिर हैं। झुले पर खड़े होकर आसपास के खूबसूरत नजारों का आनन्द लिया जा सकता है। लक्ष्मण झूला के समान राम झूला भी नजदीक ही स्थित है। त्रिवेणी घाट को ऋषिकेश में खान करने का प्रमुख घाट माना जाता है। इस घाट का नाम त्रिवेणी इसलिए है क्योंकि यहां तीन प्रमुख नदियों- गंगा, यमुना और सरस्वती का संगम

होता है। हर रोज शाम को त्रिवेणी घाट पर होने वाली गंगा आरती देखना मन को शांति प्रदान करता है और आरती की भज्यता भी देखने लायक होती है। नीलकण्ठ महादेव मंदिर सभी को अवश्य जाना चाहिए। मान्यता है कि भगवान शिव ने इसी स्थान पर समुद्र मन्थन से निकला विष ग्रहण किया गया था। मन्दिर परिसर में पानी का एक प्रसिद्ध झरना है जहां भक्तगण मन्दिर के दर्शन करने से पहले स्नान करते हैं।



मेष

भाग्य का साथ मिलेगा। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। जीवनसाथी के स्वास्थ्य पर खर्च होगा। वाणी में हल्के शब्दों के प्रयोग से बचें। चिंता तथा तनाव में वृद्धि होगी। किसी अपरिचित व्यक्ति पर अधीश्रवास न करें। समय नेष्ट है। नकारात्मकता रहेगी।



वृष

आज भाग्य का साथ मिलेगा। व्यवसाय ठीक चलेगा। भागदौड़ रहेगी। जोखिम न लें। कष्ट, भय, चिंता तथा तनाव का वातावरण बन सकता है। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। वाणी पर नियंत्रण रखें। दूसरों के काम में हस्तक्षेप न करें। दुःखद समाचार प्राप्त हो सकता है।



मिथुन

कोई ऐसा कार्य न करें जिससे अपमान हो। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। चिंता तथा तनाव रहेगी। सुख के साधनों पर व्यय होगा। स्वाधीनता में वृद्धि के योग हैं। प्रौढ़ों के काम बड़ा लाभ दे सकते हैं। रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेगी। नौकरी में सुख-शांति रहेगी।



कर्क

शत्रु शांत रहेगी। धनलाभ के अवसर हाथ आएंगे। व्यावसायिक यात्रा लाभदायक रहेगी। बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेगी। मित्रों का सहयोग मिलेगा। नए कार्य प्रारंभ करने की योजना बनेगी। कारोबार में वृद्धि के योग हैं। निवेश शुभ रहेगा। नौकरी में अधिकारी प्रसन्न रहेगी।



सिंह

कम प्रयास से ही कार्यसिद्धि होगी। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। रोजगार में वृद्धि होगी। मित्रों की सहायता कर पंगे। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। व्यापार लाभदायक रहेगा। शेयर मार्केट में सोच-समझकर निवेश करें। कष्ट, भय, चिंता तथा तनाव का वातावरण बन सकता है।



कन्या

कानूनी बाधा संभव है। हल्की हंसी-मजाक करने से बचें। विरोधी सक्रिय रहेगी। धनधानि किसी भी तरह हो सकती है। जीवनसाथी से सहयोग प्राप्त होगा। कानूनी अड़चन दूर होकर लाभ की स्थिति बनेगी। घर-बाहर प्रसन्नता का वातावरण रहेगा। व्यवसाय ठीक चलेगा। लाभ में वृद्धि होगी।



तुला

आंखों को रोग व चोट से बचाएं। लेन-देन में जल्दबाजी न करें। मनोरंजक यात्रा की आयोजना हो सकती है। किसी अनंदोत्सव में भाग लेने का अवसर प्राप्त होगा। मनोसंद भोजन का आनंद प्राप्त होगा। मित्र व संबंधियों के साथ समय अच्छा व्यतीत होगा। कारोबार मनोनुकूल हो जाता है।



वृश्चिक

थकान व कमजोरी रह सकती है। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। धर्म-कर्म में रुचि रहेगी। किसी धार्मिक अनुष्ठान में भाग लेने का अवसर प्राप्त हो सकता है। कानूनी अड़चन दूर होकर स्थिति मनोनुकूल होगी। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। सुख के साधनों की प्राप्ति हो सकती है।



धनु

दुश्मनों से सावधान रहें, हानि पहुंचा सकते हैं। जीवनसाथी के स्वास्थ्य की चिंता रहेगी। कहीं से बुरी खबर मिल सकती है। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे। आय बनी रहेगी। भाइयों का सहयोग मिलेगा। निवेश शुभ रहेगा। आज के काम कल पर नहीं टालें। विवेक का प्रयोग करें। लाभ होगा।



मकर

संतान पक्ष से स्वास्थ्य तथा अध्ययन संबंधी चिंता रहेगी। नई योजना बनेगी। तत्काल लाभ नहीं मिलेगा। कार्यशैली में परिवर्तन करना पड़ सकता है। व्यापार-व्यवसाय लाभदायक रहेगा। नौकरी में प्रभाव बढ़ेगा। शेयर मार्केट व म्यूचुअल फंड मनोनुकूल लाभ देंगे।



कुंभ

जल्दबाजी में कोई भी लेन-देन न करें। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। फालतू खर्च होगा। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। निवेश में वृद्धि के योग हैं। पार्टनरों का सहयोग मिलेगा। सड़े व लॉटरी के चक्र में न पड़ें। नौकरी में अधिकार बढ़ेंगे।



मीन

प्रेम-प्रसंग में हड़बड़ी न करें। विवाद हो सकता है। नकारात्मकता रहेगी। वाहन व मशीनरी के प्रयोग में लापरवाही न करें। युक्त व बुद्धी विशेष सावधानी बरतें। विवाद को बढ़ाना न दें। स्वाभिमान को ठेस पहुंच सकती है। लेन-देन में सावधानी रखें। आय में निश्चितता रहेगी।

### मठ्य जुलूस के साथ आज निकलेगी महाराजा अग्रसेन की शोभायात्रा

निसं

**श्रीमाधोपुर (नवयत्न)**। अग्रसेन जयंती महोत्सव के पांच दिवसीय कार्यक्रमों का समापन रविवार को महाराजा अग्रसेन की जयंती के अवसर पर धूमधाम से किया जाएगा। अग्रवाल समाज समिति श्रीमाधोपुर के अध्यक्ष बाबूलाल चौधरी ने बताया कि महाराजा अग्रसेन की 5150 वीं जयंती के अवसर पर विभिन्न धार्मिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। उन्होंने बताया कि रविवार सुबह 5 बजे अग्रसेन महाराज की प्रभात फेरी निकाली जाएगी। इसके बाद सुबह 9 बजे अग्रसेन भवन में महाराजा अग्रसेन की पूजा अर्चना एवं आरती कर प्रसाद वितरण किया जाएगा। दोपहर 3 बजे अग्रसेन भवन से महाराजा अग्रसेन की भव्य शोभायात्रा रवाना होगी। शोभायात्रा हाथी-घोड़ों एवं शाही हलजामे के साथ मंगल कीर्तन करते हुए नगर के प्रमुख मार्गों से होकर गुजरते हुए वापस अग्रसेन भवन स्थित समाज कार्यालय पहुंचेगी। इसके पश्चात जयंती महोत्सव का मुख्य सम्मान समारोह आयोजित किया जाएगा। समारोह में पांच दिवसीय प्रतियोगिताओं के विजेता प्रतिभागियों को पुरस्कार वितरित किए जाएंगे। साथ ही समाज की प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने के लिए 10 वीं एवं 12 वीं कक्षा में उत्कृष्ट उपलब्धि हासिल करने वाले तथा प्रोफेशनल डिग्री प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों का सम्मान किया जाएगा।

**समाज के लोगों के लिए खेह मिलन समारोह**

कार्यक्रम के समापन पर अग्रसेन भवन श्रीमाधोपुर में समाज के लोगों के लिए खेह मिलन समारोह का भी आयोजन किया जाएगा। अग्रवाल समाज समिति के उपाध्यक्ष हरिओम गोकुलका ने समाज के सभी लोगों से अपील की है कि वे महाराजा अग्रसेन जयंती के पवनन अवसर पर अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर कार्यक्रमों में सहभागिता करें और आयोजन की शोभा बढ़ाएं।

### महाराजा अग्रसेन जयंती पर रक्तदान शिविर, 181 यूनिट रक्त संग्रह

नंदलाल गौड़

**लोसल (नवयत्न)**। महाराजा अग्रसेन महाराज की जयंती के पवन अवसर पर अग्रवाल समाज प्रत्यास, लोसल में शनिवार को रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। नगरपालिका क्षेत्र का बड़ा नंबर 10 के पार्षद दीपक कुमार पंसारी के सौजन्य से आयोजित रक्तदान शिविर लोगों ने दिल खोलकर रक्तदान करने से कुल 181 यूनिट रक्त संग्रह हो गया। इस पुनीत कार्य में युवाओं के साथ मातृशक्ति ने भी बड़-चढ़कर भाग लेकर मानव सेवा और सामाजिक जिम्मेदारी का प्रेरणादायक संदेश दिया। शिविर प्रभारी मास्टर सत्यनारायण रोलन ने बताया कि शिविर का उद्देश्य जम्‍रुतमंद मरीजों के लिए रक्त की उपलब्‍धता में सहयोग करना और आमजन को स्‍वेच्छिक रक्तदान के प्रति जागरूक करना रहा। महाराजा अग्रसेन के सेवा, सहयोग, परोपकार और सामाजिक समरसता के आदर्शों को आगे बढ़ाते हुए लोगों ने मानवता की सेवा का संदेश दिया। आयोजकों ने कहा कि रक्तदान किसी जम्‍रुतमंद ब्‍यक्ति के लिए जीवनरक्षक साबित हो सकता है। ऐसे आयोजनों से समाज में सहयोग, भाईचारे और सेवा भावना को मजबूती मिलती है। शिविर में 181 यूनिट रक्त संग्रह होना जनसहभागिता और मानव सेवा के प्रति लोगों के उत्साह को दर्शाता है। महाराजा श्री अग्रसेन जयंती पर आयोजित इस शिविर ने लोसल में सेनाए समर्पण और सामाजिक एकता का संदेश दिया। इस अवसर पर अग्रवाल समाज के अध्यक्ष महावीर प्रसाद पंसारी, नगरपालिका अध्यक्ष लक्ष्मण चौधरी, उपाध्यक्ष बिलाल गंगरेज, बीएल रणवां, घासीराम भार्गव, गोविंद बिजारणिवां, बीआर हरिपुरा, सत्यनारायण, इस्माइल नागोरी सहित बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे।

## चंचलनाथ टीले पर आज से दुर्गा पूजा महोत्सव

नितेश मुदगल

**झूंझुनू (नवयत्न)**। चंचलनाथ टीले पर रविवार से दुर्गा पूजा महोत्सव एवं शतचंडी महायज्ञ का शुभारंभ भव्य कलश यात्रा के साथ होगा। सुबह सवा 9 बजे हनुमान मंदिर से 251 महिलाएं गाजे-बाजे के साथ कलश यात्रा निकलेगी। आयोजन पीठाधीश्वर महंत ओमनाथ महाराज के सानिध्य में होगा। संत विचारनाथ महाराज एवं मुख्य यजमान अमरनाथ जागिड़ ने बताया कि चूरु के पंडित सुमित व्यास के आचार्यत्व में आठ विद्वान पंडित धार्मिक अनुष्ठान संपन्न करवाएंगे। महोत्सव में प्रतिदिन सुबह-शाम सजीतमय आरती और रात सवा 9 बजे भजन संघर्ष होगी। महोत्सव को लेकर टीला परिसर को प्राकृतिक फूलों और रंग-बिरंगी रोशनी से सजाया गया है। आयोजन को लेकर श्रद्धालुओं में उत्साह का माहौल है।

## नवरात्रि में वैष्णो देवी मंदिर में उमड़ेगी श्रद्धा नौ दिन होंगे विशेष धार्मिक आयोजन

निसं

**जयपुर (नवयत्न)**। शारदीय नवरात्रों के अवसर पर राजापार्क स्थित पंचवटी सर्किल के वैष्णो देवी मंदिर में नौ दिन तक विशेष धार्मिक आयोजन होंगे। मंदिर में 11 अक्टूबर को अभिजीत मुहूर्त में सुबह 11:51 से दोपहर 12:15 बजे तक घट स्थापना की जाएगी। इसके बाद श्रद्धालुओं के लिए मंदिर के पट खोल दिए जाएंगे और माता के दर्शन शुरू होंगे। वैष्णो देवी सेवा समिति पंजीकृत राजापार्क के अध्यक्ष राज भाटिया और उपाध्यक्ष कमलेश असुदानी ने बताया कि शारदीय नवरात्रों को लेकर मंदिर में तैयारियों की जा रही हैं। मंदिर परिसर को रंग-बिरंगी रोशनी, आकर्षक फूलों और चुनरी से सजाया जाएगा। नौ दिनों तक माता का विशेष श्रृंगार किया जाएगा। इस दौरान प्रतिदिन सात से नौ बार माता की पोशाक बदली जाएगी, जिससे श्रद्धालुओं को माता के अलग,अलग स्वरूपों के दर्शन होंगे। समिति के सचिव राजकुमार भाटिया, कोषाध्यक्ष इंद्रजीत शर्मा और उपसचिव योगेश खुनुना ने बताया कि नवरात्रों के दौरान प्रतिदिन सुबह और शाम श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरित किया जाएगा। माता को हलवा, चना और पूरी का भोग लगाया जाएगा। मंदिर में नौ दिनों तक भक्ति, पूजा-अर्चना और धार्मिक आयोजनों का माहौल रहेगा।

**आज दोपहर 3 घण्टे बंद रहेगी बिजली**

**तारानगर (नवयत्न)**। विद्युत विभाग, तारानगर के समस्त विद्युत उपभोक्ताओं को सूचित किया जाता है कि 11 अक्टूबर रविवार को आवश्यक रखरखाव कार्य हेतु 33 केवी तारानगर सिटी फीडर व 33 केवी लुणास फीडर का शटडाउन रहेगा जिस कारण समय दोपहर 3 बजे से शाम 6 बजे बिजली बंद रहेगी। शटडाउन के कारण तारानगर शहर तथा लुणास जीएसएस एवं रैयतुंडा जीएसएस के अधीन आने वाले समस्त ग्रामीण क्षेत्रों की विद्युत आपूर्ति बाधित रहेगी।

# माता रानी के स्वागत में सजने लगे जयपुर के बाजार

# नवरात्र को लेकर खरीदारी की तैयारियां तेज आज से शुरू होंगे

निसं

**जयपुर (नवयत्न)**। शारदीय नवरात्र रविवार से शुरू होने जा रहे हैं। इसके साथ ही राजधानी जयपुर में नौ दिन तक चलने वाले शक्ति की उपासना के पर्व की रौनक दिखाई देने लगी है। माता रानी के स्वागत के लिए शहर के प्रमुख बाजारों से लेकर कॉलोनियों के छोटे-बड़े बाजारों तक तैयारियां शुरू हो गई हैं। दुकानदारों ने पूजा सामग्री, चुनरी, नारियल, कलश, माता की प्रतिमाओं और सजावटी सामान से दुकानें सजानी शुरू कर दी हैं। वहींए घरों और मंदिरों में घट स्थापना तथा पूजा-अर्चना की तैयारियां भी की जा रही हैं। नवरात्र को लेकर शहर के परकोटा क्षेत्र के बाजारों में विशेष हलचल रहने की उम्मीद है। बड़ी चौपड़, छोटी चौपड़, त्रिपोलिया बाजार, जौहरी बाजार, किशनपोल बाजार और चांदपोल बाजार सहित विभिन्न प्रमुख बाजारों में नवरात्र से जुड़ी सामग्री की खरीदारी की तैयारियां हैं। इसके अलावा मानसरोवर, मालवीय नगर, प्रताप नगर, वैशाली नगर, राजापार्क और झोटवाड़ा के बाजारों में भी त्योहार को लेकर रौनक बढ़ने लगी है। घरों में पूजा के लिए जरूरी सामान जुटाने के साथ ही माता की चौकी सजाने और मंदिरों को आकर्षक रूप देने की तैयारियां की जा रही हैं।

**वुनरी से लेकर माता की पोशाक तक की मांग**

नवरात्र के दौरान माता रानी को चुनरी अर्पित करने और विशेष श्रृंगार करने की परंपरा के चलते लाल चुनरी, पोशाक, मुकुट, आभूषण और श्रृंगार सामग्री का विशेष महत्व रहता है। बाजारों में अलग-अलग रंगों और डिजाइन की चुनरियां, माता की पोशाकें, पूजा थालियां और सजावटी वस्तुएं उपलब्ध

#### घरों में होगी घट स्थापना, नौ दिन तक पूजा-अर्चना

शारदीय नवरात्र में मां दुर्गा के नौ स्वरूपों की पूजा की जाती है। पहले दिन शुभ मुहूर्त में घट स्थापना के साथ नवरात्र की शुरुआत होगी। श्रद्धालु घरों में कलश स्थापित कर अखंड ज्योत जलाएंगे और नौ दिनों तक विधि-विधान से पूजा-अर्चना करेंगे। कई घरों में दुर्गा सप्तशती का पाठएं भजन-कीर्तन और विशेष धार्मिक अनुष्ठान भी आयोजित किए जाएंगे। नवरात्र के दौरान व्रत रखने वाले श्रद्धालु फ्नाहार और व्रत से जुड़ी खाद्य सामग्री की खरीदारी भी करेंगे। इसके चलते किराना दुकानों और पत्त विक्रेताओं के यहां भी ग्राहकों की आवाजाही बढ़ने की संभावना है। अष्टमी और नवमी पर कन्या पूजन की परंपरा के कारण इन दिनों की तैयारियां भी पहले से की जाती हैं।

हैं। श्रद्धालु अपनी पसंद और बजट के अनुसार पूजा सामग्री खरीदने की तैयारी कर रहे हैं। वहीं घट स्थापना के लिए कलश, मिट्टी के पात्रएं दीपक, रोली, मौली, चावल, सुपारी, नारियल, कपूर, धी और धूपबत्ती जैसी सामग्री की भी जरूरत रहती है। इसके साथ ही माता की चौकी सजाने के लिए रंग-बिरंगे कपड़े, फूल-मालाएं, बंदनवार, झालर और रोशनी के सामान की खरीदारी भी की जाती है। बाजारों में इन वस्तुओं की उपलब्धता बढ़ाने के लिए दुकानदार तैयारियां कर रहे हैं।

**देवी मंदिरों में भी तैयारियां**

नवरात्र को देखते हुए जयपुर के प्रमुख देवी मंदिरों में भी तैयारियां की जा रही हैं। मंदिरों में विशेष पूजा-अर्चना, फूलों से सजावट और श्रद्धालुओं के दर्शन की व्यवस्था पर ध्यान दिया जा रहा है। नवरात्र के दौरान



#### त्योहार से कारोबार को मिलेगी गति

नवरात्र के साथ ही दीपावली तक चलने वाले त्योहारों के मौसम की शुरुआत हो जाती है। ऐसे में पूजा सामग्री, कपड़े, सजावटी सामान, फूल-माला, फल और मिठाइयों से जुड़े कारोबारियों को अच्छी बिक्री की उम्मीद रहती है। दुकानदारों ने ग्राहकों की पसंद को ध्यान में रखते हुए अलग-अलग कीमतों और डिजाइन की वस्तुएं रखने की तैयारियां की हैं। हालांकि, बाजारों में ग्राहकों की वास्तविक भीड़ और कारोबार का रुझान नवरात्र शुरू होने के बाद ही स्पष्ट होगा। नौ दिनों तक माता की भक्ति में डूबा रहने वाला जयपुर एक बार फिर धार्मिक रंग में रंगने को तैयार है। बाजारों में सजावटएं घरों में पूजा की तैयारी और मंदिरों में विशेष आयोजन के साथ माता रानी के स्वागत का उत्साह दिखाई देने लगा है।

बड़ी संख्या में भक्त माता के दर्शन करने पहुंचते हैं। ऐसे में मंदिर प्रबंधन की ओर से भीड़ को व्यवस्थित रखने, प्रवेश और निकास मार्ग सुचारु बनाए रखने तथा साफसफाई की व्यवस्था को लेकर तैयारियां की जाती

हैं। शहर के धार्मिक स्थलों पर नवरात्र के दौरान भजन-कीर्तन और विशेष अनुष्ठानों का आयोजन भी श्रद्धालुओं के आकर्षण का केंद्र रहता है। सुबह से शाम तक मंदिरों में दर्शन के लिए भक्तों की आवाजाही बनी रहती है।

# बिसाऊ में 40 साल पुरानी जलभराव की समस्या के समाधान की जगी उम्मीद

**वार्ड 5 और 6 में गैनाणी का किया मौका मुआयना, अधिकारियों ने जल निकासी का आश्वासन दिया**

विनोद प्रजापति

**बिसाऊ (नवयत्न)**। कस्बे के वार्ड नंबर 5 और 6 में गैनाणी (गोविया री बाड़ी) के गंदे पानी की निकासी की समस्या के समाधान की उम्मीद जगी है। लंबे समय से जलभराव की परेशानी झेल रहे वार्डवासियों को राहत दिलाने के लिए पार्षद सलीम सैय्यद ने शनिवार को नगर पालिका अधिकारियों और संबंधित लोगों के साथ मौके का निरीक्षण किया। इस दौरान जल निकासी की समस्या के समाधान को लेकर चर्चा की गई। मौके पर नगर पालिका ईओ सीताराम कुमावत, नगर कांग्रेस अध्यक्ष एडवोकेट अयूब खान, ठेकेदार सद्दाम और नगर पालिका जेईएन सोमंत कुमार मौजूद रहे। ईओ और चेयरमैन प्रतिनिधि ने जल निकासी की समस्या दूर करने का आश्वासन दिया। हालांकि अब वार्डवासियों को समाधान के लिए ठोस कार्ययोजना बनने और काम शुरू होने का इंतजार है।

**चार दशक से परेशानी झेल रहे लोग**

स्थानीय लोगों के अनुसार गैनाणी में गंदे पानी के भराव और निकासी की समस्या करीब 40 साल से बनी हुई है। इसके चलते क्षेत्र के लोगों को लंबे समय से परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। पूर्व पालिका अध्यक्ष हारुन खत्री ने भी अपने कार्यकाल में समस्या के समाधान के लिए अपने खेत से गंदे पानी की निकासी की व्यवस्था की थी। इसके बावजूद समस्या का स्थायी समाधान नहीं हो पाया।



**चुनाव में भी उठ था मुद्दा**

स्थानीय लोगों का कहना है कि विधानसभा चुनाव 2023 के दौरान क्षेत्रीय विधायक रीटा चौधरी ने वार्ड सभा में जल निकासी की समस्या को प्राथमिकता से हल करवाने का आश्वासन दिया था। लोगों को उम्मीद थी कि इसके बाद समस्या का स्थायी समाधान होगा, लेकिन उनके अनुसार अब तक राहत नहीं मिली है। नगर पालिका चुनाव 2026 से पहले भी यह मुद्दा सोशल मीडिया पर चर्चा में रहा था।

**जनप्रतिनिधियों के सामने समाधान की चुनौती**

नगर पालिका में कांग्रेस की सलमा सैय्यद अध्यक्ष और भाजपा की जुलेखा खत्री उपाध्यक्ष हैं। ऐसे में वार्डवासियों को उम्मीद है कि सभी जनप्रतिनिधि मिलकर समस्या के समाधान के लिए प्रयास करेंगे। इस मामले में क्षेत्रीय विधायक रीटा चौधरी, पार्षद सलीम सैय्यद, उपाध्यक्ष प्रतिनिधि हारुन खत्री और वार्ड पार्षद आबिद तंवर व अहमद राजा की भूमिका महत्वपूर्ण रहेगी।

वार्डवासियों की मांग है कि केवल मौका मुआयना और आश्वासन देने के बजाय जल निकासी की स्थायी व्यवस्था की जाए। अब देkhना होगा कि सर्वे के बाद समस्या के समाधान के लिए क्या कार्ययोजना बनाई जाती है और काम कब शुरू होता है। करीब चार दशक से परेशानी झेल रहे लोगों को अब राहत का इंतजार है।

## शनि अमावस्या पर नन्दीशाला में 148 सवामणी का सहयोग, नन्दियों को खिलाई लापसी



श्रीराम तिवारी

**नोखा (नवयत्न)**। आसोज माह की शनि अमावस्या के पवन अवसर पर रायसर रोड स्थित नोखा नन्दीशाला में निराश्रित गोवंश सेवा समिति की ओर से नन्दियों के लिए लापसी की सवामणी बनाकर खिलाई गई। इस दौरान भामाशाहों और नन्दी सेवकों ने गोसेवा में उत्साहपूर्वक भागीदारी निभाई। समिति के अंकित तोषनीवाल ने बताया कि इस अवसर पर अलग-अलग दानदाताओं की ओर से नन्दियों के लिए कुल 148 सवामणी का सहयोग प्राप्त हुआ। नन्दी सेवकों ने नन्दियों को

हरी सब्जियां और गुड़ भी खिलाया। शनि अमावस्या के अवसर पर संचालित नन्दीग्रास मासिक योजना के अंतर्गत भी विभिन्न भामाशाहों ने सहयोग प्रदान किया। इस दौरान हुक्मीचंद विमलकुमार बजाज परिवार और देवाराम कुलरिया परिवार की ओर से एक-एक पिकअप चारा नन्दियों के लिए डलवाया गया। वहीं, अन्य भामाशाहों ने भी हरी सब्जियां उपलब्ध करवाकर गोसेवा में योगदान दिया। नोखा नगरपालिका द्वारा निर्मित तथा निराश्रित गोवंश सेवा समिति द्वारा संचालित नन्दीशाला में आयोजित इस सेवा कार्य के लिए समिति की ओर से सभी सहयोगकर्ताओं

## बिसाऊ की विश्व प्रसिद्ध मूक रामलीला का मंचन आज से

**बिसाऊ (नवयत्न)**। विश्व प्रसिद्ध बिसाऊ की ऐतिहासिक मूक रामलीला का मंचन 11 अक्टूबर से शुरू होगा। विश्वभर में अपनी विशिष्ट पहचान रखने वाली इस रामलीला का नाम हल ही में गोलडन बूक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स में दर्ज होने से बिसाऊ का गौरव और बढ़ा है। यह रामलीला अपनी अनूठी परंपरा के

लिए जानी जाती है। लगभग 15 दिनों तक चलने वाले इस आयोजन में कलाकार बिना बोले, केवल हाव-भाव, अभिनय और विभिन्न प्रकार के मुखौटों के माध्यम से रामायण के प्रयोगों को मंच पर जीवंत करते हैं। प्रतिदिन शाम 5 बजे से रात 7:30 बजे तक दो घंटे मंचन होगा। मूक रामलीला बिसाऊ की ऐतिहासिक

एवं सांस्कृतिक विरासत का महत्वपूर्ण हिस्सा है। इस अनूठी परंपरा को जीवित रखने में स्थानीय नागरिकों, कलाकारों, पूर्वजों और प्रवासी बिसाऊवासियों का महत्वपूर्ण योगदान रहा है। कार्यक्रम से जुड़े संरक्षकों में जगदीश कसेरा, कमल पौदार, महावीर सोती एवं रामप्रकाश बिरमौवाला शामिल हैं।

## पंचायत चुनाव लड़ने के इच्छुक अभ्यर्थियों को दिया प्रशिक्षण



दिनेश जाखड़

**गुढ़गौड़जी (नवयत्न)**। पंचायत राज संस्थाओं के आम चुनाव 2026 के तहत शनिवार को गुढ़गौड़जी तहसील सभागार में प्रत्याशी प्रबोधन (प्रशिक्षण) कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में पंच, सरपंच एवं पंचायत समिति सदस्य पदों के लिए चुनाव लड़ने के इच्छुक अभ्यर्थियों को नामांकन प्रक्रिया और आवश्यक दस्तावेजों के संबंध में जानकारी दी गई। तहसीलदार नारायण राम देवा एवं विकास अधिकारी दयानंद गढ़वाल के निर्देशन में आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम में ब्लॉक स्तरीय मास्टर ट्रेनर्स ने अभ्यर्थियों को मार्गदर्शन प्रदान किया। प्रशिक्षण के दौरान नामांकन पत्र (फॉर्म) भरने की प्रक्रिया, आवश्यक दस्तावेजों तथा चुनाव संबंधी नियमों की विस्तार से जानकारी दी गई। मास्टर ट्रेनर्स ने अभ्यर्थियों की चुनाव प्रक्रिया से जुड़ी शंकाओं का समाधान करते हुए नामांकन के दौरान बरती जाने वाली सावधानियों के बारे में भी बताया। कार्यक्रम का उद्देश्य पंचायत राज संस्थाओं के चुनाव में भाग लेने वाले अभ्यर्थियों को निर्वाचन प्रक्रिया के प्रति जागरूक करना तथा नामांकन प्रक्रिया को सुगम बनाना रहा।

**आज धूमधाम से मनाई जाएगी अग्रसेन जयंती तारानगर (नवयत्न)**। अग्रवाल समाज की ओर से 11 अक्टूबर को महाराजा अग्रसेन की जयंती धूमधाम के साथ मनाई जाएगी। अग्रवाल समाज के नरेंद्र चाचण ने बताया कि अग्रसेन जयंती के अवसर पर सुबह कस्बे में अग्रसेन सर्किल पर महाराजा अग्रसेन की पूजा अर्चना की जाएगी। इसके बाद कस्बे में अग्रसेन महाराज की शोभायात्रा निकाली जाएगी। दोपहर को सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन व समाज की प्रतिभाओं को सम्मानित किया जाएगा।

शारदीय नवरात्रि विशेष



# माँ के नौ रूप

## शक्ति, साधना और जीवन के नव संदेश

शैलपुत्री से सिद्धिदात्री तक नवदुर्गा की आराधना में समाए हैं धैर्य, तप, साहस, सृजन, ममता और आत्मकल्याण के सूत्र

शंख की मंगलध्वनि, मंदिरों में गुंजती घंटियां, धूप की सुगंध और दीपक की उजली लौ के साथ शारदीय नवरात्रि जीवन में नई आशा का संचार करती है। घरों में सजे माता के दरबार और श्रद्धा से झुकते शीश भारतीय संस्कृति की उस आस्था को व्यक्त करते हैं, जिसमें शक्ति को माँ के रूप में पूजा जाता है। माँ, जो स्नेह देती है, संबल देती है और संकट आने पर अपनी संतानों की रक्षा के लिए प्रचंड रूप भी धारण करती है। नवरात्रि

इसी ममता और सामर्थ्य का उत्सव है। यह पर्व मनुष्य को अपने भीतर झांकने, कमजोरियों को पहचानने और सद्गुणों के साथ आगे बढ़ने का अवसर देता है।

आश्विन मास के शुक्ल पक्ष में मनाई जाने वाली शारदीय नवरात्रि देवी उपासना का प्रमुख पर्व है। उत्तर भारत की प्रचलित नवदुर्गा परंपरा में

प्रतिपदा से नवमी तक माँ के नौ स्वरूपों की क्रमशः आराधना की जाती है। ये स्वरूप हैं—शैलपुत्री, ब्रह्मचारिणी, चंद्रघंटा, कूष्मांडा, स्कंदमाता, कात्यायनी, कालरात्रि, महागौरी और सिद्धिदात्री। धार्मिक परंपरा में प्रत्येक स्वरूप का अपना विशिष्ट रूप, कथा और उपासना का भाव है। इन नौ स्वरूपों को जीवन की यात्रा से जोड़कर देखें तो इनमें संकल्प से सिद्धि तक पहुंचने की सुंदर प्रेरणा दिखाई देती है।

नवरात्रि की सार्थकता पूजा की तैयारी के साथ मन की तैयारी में भी है। जिस प्रकार देवी के स्वागत के लिए घर और मंदिर संवारे जाते हैं, उसी प्रकार विचारों और व्यवहार को भी संवारने की आवश्यकता होती है। मन में करुणा, वाणी में मधुरता, कर्म में ईमानदारी और संबंधों में सम्मान हो तो आराधना जीवन का हिस्सा बनती है। माँ के नौ रूप इसी व्यापक दृष्टि से समझे जाएं तो नवरात्रि के नौ दिन पूरे वर्ष के लिए प्रेरणा दे सकते हैं।



## माँ शैलपुत्री

पर्वत जैसा धैर्य, संकल्प जैसी दृढ़ता

नवरात्रि की प्रथम देवी माँ शैलपुत्री हैं। ‘शैल’ का अर्थ पर्वत है और पर्वतराज हिमालय की पुत्री होने के कारण देवी का यह नाम पड़ा। पौराणिक मान्यता के अनुसार सती ने अगले जन्म में हिमालय के घर पार्वती के रूप में जन्म लिया। माँ शैलपुत्री वृषभ पर आरूढ़ दिखाई जाती हैं। उनके दाहिने हाथ में त्रिशूल और बाएं हाथ में कमल सुशोभित होता है। उनके स्वरूप में सौम्यता और शक्ति का सुंदर सामंजस्य है। नवरात्रि की साधना का आरंभ इसी देवी की वंदना से होता है। माँ शैलपुत्री के स्वरूप से जीवन में स्थिरता का संदेश लिया जा सकता है। पर्वत अनेक ऋतुओं, आधियों और वर्षा का सामना करते हुए अडिग खड़ा रहता है। इसी प्रकार मनुष्य को भी परिस्थितियों के बदलने पर अपना विवेक और आत्मविश्वास बनाए रखना चाहिए। सफलता की पहली आवश्यकता लक्ष्य के प्रति स्पष्टता और उस पर टिके रहने का साहस है। उत्साह में संकल्प लेना सरल होता है, लेकिन कठिन समय में उसका पालन करना ही धैर्य की वास्तविक परीक्षा है। त्रिशूल और कमल को साथ देखकर यह प्रेरणा भी मिलती है कि जीवन में दृढ़ता और संवेदनशीलता दोनों आवश्यक हैं। अपने सिद्धांतों की रक्षा करते हुए दूसरों के प्रति कोमलता बनाए रखना संभव है। प्रथम नवरात्रि पर माँ शैलपुत्री की आराधना के साथ हम यह संकल्प ले सकते हैं कि भय, आलस्य और निराशा को अपने प्रयासों पर हावी नहीं होने देंगे। अपनी जड़ों, परिवार और प्रकृति से जुड़ाव बनाए रखते हुए आगे बढ़ना भी इस स्वरूप से मिलने वाली सुंदर जीवन-दृष्टि है।



## माँ ब्रह्मचारिणी

तप, संयम और अटूट विश्वास की प्रतिमूर्ति

द्वितीय नवरात्रि माँ ब्रह्मचारिणी को समर्पित है। देवी का यह स्वरूप तपस्या और साधना से जुड़ा है। उनके दाहिने हाथ में जपमाला और बाएं हाथ में कमंडलु रहता है। आभूषणों और आयुधों की भव्यता से अलग उनका शांत, तपस्विनी रूप विशेष प्रभाव छोड़ता है। प्रचलित धार्मिक कथा के अनुसार भगवान शिव को पति रूप में प्राप्त करने के लिए देवी ने कठोर तप किया। उनकी तपस्या को अटूट निष्ठा और संकल्प का उदाहरण माना जाता है। माँ ब्रह्मचारिणी के स्वरूप को आज के जीवन में निरंतर प्रयास की प्रेरणा के रूप में समझा जा सकता है। विद्यार्थी का नियमित अध्ययन, किसान का परिश्रम, कलाकार का अभ्यास और अपने दायित्वों के प्रति किसी व्यक्ति की निष्ठा—इन सबमें साधना का भाव दिखाई देता है। कोई भी महत्वपूर्ण उपलब्धि केवल इच्छा करने से प्राप्त नहीं होती। उसके लिए समय देना पड़ता है, सुविधा छोड़नी पड़ती है और असफलताओं के बाद भी प्रयास जारी रखना पड़ता है। संयम का संबंध भोजन या दिनचर्या तक सीमित नहीं है। क्रोध आने पर वाणी को संभालना, तुलना से बचना, अनावश्यक इच्छाओं पर नियंत्रण रखना और समय का सदुपयोग करना भी संयम है। माँ ब्रह्मचारिणी की आराधना हमें अपने बिखरे हुए मन को एकाग्र करने की प्रेरणा देती है। उनकी साधना का स्मरण यह विश्वास जगाता है कि धीमी गति से किया गया सच्चा प्रयास भी मूल्यवान होता है। जीवन में स्थायी परिवर्तन नियमित और ईमानदार अभ्यास से आता है।



## माँ चंद्रघंटा

सजग शक्ति और निर्भयता का स्वरूप

तृतीय नवरात्रि पर माँ चंद्रघंटा की पूजा होती है। देवी के मस्तक पर घंटे के आकार का अर्धचंद्र सुशोभित होने के कारण उनका यह नाम प्रचलित है। उनके दस हाथों में विभिन्न आयुध और उपासना से जुड़े प्रतीक दिखाए जाते हैं। उनका स्वरूप युद्ध के लिए तत्पर शक्ति का है, लेकिन भक्तों के प्रति वे करुणामयी मानी जाती हैं। धार्मिक वर्णनों में माँ चंद्रघंटा की आराधना को भय से मुक्ति और साहस की भावना से जोड़ा गया है। माँ का यह रूप हमें सजग रहने की प्रेरणा देता है। जीवन में शांति बनाए रखने के लिए अन्याय की पहचान और उसका उचित प्रतिरोध भी आवश्यक है। अपने अधिकारों के प्रति जागरूक होना, किसी कमजोर व्यक्ति के साथ हो रहे दुर्यवहार पर आवाज उठाना और कठिन परिस्थिति में विवेकपूर्ण निर्णय लेना साहस के ही रूप हैं। साहस का अर्थ आवेश में आकर कुछ भी कर गुजरना नहीं है। उसका संबंध सही बात को समझने और जिम्मेदारी के साथ उसके पक्ष में खड़े होने से है। चंद्रघंटा के स्वरूप में शक्ति और संतुलन को साथ देखा जा सकता है। मनुष्य जब भय से संचालित होता है तो अपनी क्षमताओं पर संदेह करने लगता है। जब वह आत्मविश्वास और तैयारी के साथ आगे बढ़ता है तो कठिन रास्ते भी पार कर सकता है। तृतीय नवरात्रि का संदेश यही हो सकता है कि अपने भीतर की घबराहट को पहचानें, उसे विवेक से संभालें और सत्य के पक्ष में दृढ़ रहें। हमारी शक्ति का उपयोग किसी को दबाने के बजाय सुरक्षा और सहयोग के लिए होना चाहिए।



## माँ कालरात्रि

अंधकार के बीच निर्भयता की ज्योति

सप्तम नवरात्रि पर माँ कालरात्रि की पूजा की जाती है। नवदुर्गा में उनका स्वरूप अत्यंत उग्र है। गहरा कर्ण, खुले केश, तीन नेत्र और चार भुजाएं उनके विग्रह की प्रमुख विशेषताएं हैं। उनका वाहन गर्दभ है। उनके हाथों में आयुध हैं और वे अभय तथा वरदान की मुद्रा में भी दिखाई जाती हैं। धार्मिक परंपरा में उनका उग्र रूप दुष्ट शक्तियों के विनाश से जुड़ा है। भक्तों का शुभ करने वाली होने के कारण वे शुभंकारी भी कहलाती हैं। माँ कालरात्रि का स्वरूप हमें जीवन की कठिन वास्तविकताओं का सामना करने की प्रेरणा देता है। भय, दुःख, अनिश्चितता और विफलता के दौर प्रत्येक व्यक्ति के जीवन में आते हैं। ऐसे समय में समस्या से आंख चुराने पर उसका बोझ बढ़ता जाता है। उसे स्वीकार कर सहायता लेना, समाधान खोजना और एक-एक कदम आगे बढ़ना आवश्यक होता है। अंधकार कितना ही घना क्यों न हो, दिशा खोजने का प्रयास कभी व्यर्थ नहीं होता। इस स्वरूप से एक और महत्वपूर्ण संदेश लिया जा सकता है—बाहरी रूप देखकर किसी के मूल्य का निर्णय नहीं करना चाहिए। सौम्यता और शक्ति अनेक रूपों में सामने आती हैं। कालरात्रि का उग्र स्वरूप भक्तों के लिए संरक्षण का भाव रखता है। सप्तम नवरात्र आत्ममंथन का अवसर भी है। हमें देखना चाहिए कि भय, क्रोध, ईर्ष्या या कटुता में से कौन-सी प्रवृत्ति हमारे संबंधों को प्रभावित कर रही है। उसे पहचानना और सुधार की शुरुआत करना भीतर के अंधकार को कम करने की दिशा में वास्तविक कदम है।



# जय माँ दुर्गा

## धैर्य से संकल्प साधना से सिद्धि

माँ के नौ रूप इसी व्यापक दृष्टि से समझे जाएं तो नवरात्रि के नौ दिन पूरे वर्ष के लिए प्रेरणा दे सकते हैं।



## माँ महागौरी

निर्मलता, शांति और नई शुरुआत

अष्टम नवरात्रि पर माँ महागौरी की उपासना होती है। उनका स्वरूप अत्यंत उज्ज्वल और शांत बताया गया है। श्वेत वस्त्र धारण करने के कारण वे श्वेतांबरधरा भी कहलाती हैं। चार भुजाओं वाली माँ महागौरी वृषभ पर आरूढ़ दिखाई जाती हैं। उनके हाथों में त्रिशूल और डमरु रहते हैं तथा अन्य हाथ अभय और वरदान की मुद्रा में होते हैं। देवी का यह रूप भक्तों के लिए सौम्यता और मंगल का भाव लेकर आता है। माँ महागौरी के स्वरूप में निर्मलता को मन की स्पष्टता और आचरण की पवित्रता से जोड़कर देखा जा सकता है। जीवन में शांति तभी गहरी होती है, जब व्यक्ति अपने व्यवहार के प्रति ईमानदार हो। अपनी गलतियों को स्वीकार करना, किसी से क्षमा मांगना, कटुता को कम करना और संबंधों में विश्वास लौटाना आंतरिक शुद्धि के सार्थक प्रयास हैं। बीती हुई भूलों पर केवल पछताते रहने से अधिक उपयोगी है उनसे सीखकर अच्छा परिवर्तन करना। आठवां नवरात्र नई शुरुआत का अवसर बन सकता है। कोई पुराना विवाद समाप्त करना, किसी उपेक्षित संबंध को समय देना या अपने जीवन की अव्यवस्था को सुधारना भी एक शुभ संकल्प है। देवी की उज्ज्वलता का आध्यात्मिक अर्थ भीतर के प्रकाश से लिया जाना चाहिए। मनुष्य का वास्तविक सौंदर्य उसके व्यवहार, करुणा और चरित्र में दिखाई देता है। जब मन में द्वेष कम होता है और दूसरों के लिए शुभकामना बढ़ती है, तब जीवन में सहज शांति का अनुभव संभव होता है।



## माँ कूष्मांडा

सृजन की मुस्कान, उजाले की ऊर्जा

चतुर्थ नवरात्रि की अष्टिदात्री माँ कूष्मांडा हैं। प्रचलित धार्मिक मान्यता में उन्हें अपनी मंद मुस्कान से ब्रह्मांड की रचना करने वाली देवी माना जाता है। उनके स्वरूप को सूर्य के तेज और सृजन की ऊर्जा से जोड़ा जाता है। आठ भुजाओं के कारण वे अष्टभुजा देवी भी कहलाती हैं। उनके हाथों में कमल, कमंडल, धनुष, बाण और अन्य दिव्य प्रतीक सुशोभित होते हैं। भक्त माँ कूष्मांडा का स्मरण जीवन में प्रकाश, उत्साह और मंगल की कामना से करते हैं। माँ कूष्मांडा की कथा से यह प्रेरणा ली जा सकती है कि सृजन की शुरुआत आशा से होती है। कठिन परिस्थिति में भी कोई नई संभावना खोज लेना, टूटे हुए संबंध में संवाद का रास्ता बनाना और निराश व्यक्ति को हिम्मत देना जीवन में उजाला बढ़ाने के छोटे, लेकिन महत्वपूर्ण प्रयास हैं। हर व्यक्ति अपनी सामर्थ्य के अनुसार कुछ ऐसा कर सकता है जिससे उसके आसपास का वातावरण बेहतर बने। सृजन का क्षेत्र बहुत व्यापक है। शिक्षक ज्ञान का विस्तार करता है, किसान अन्न उगाता है, शिल्पकार उपयोगी वस्तुएं बनाता है और माता-पिता बच्चों में संस्कार विकसित करते हैं। समाज ऐसे ही असंख्य प्रयासों से आगे बढ़ता है। माँ कूष्मांडा की आराधना हमें अपनी ऊर्जा को उपयोगी दिशा देने का संदेश देती है। शिकायतों के बीच समाधान खोजना और अभावों के बीच उपलब्ध साधनों का अच्छा उपयोग करना सृजनशील दृष्टि है। चौथा नवरात्र हमें याद दिलाता है कि हमारी एक सकारात्मक पहल किसी दूसरे के जीवन में आशा का दीप जला सकती है।



## माँ स्कंदमाता

ममता, संरक्षण और जिम्मेदारी की देवी

पंचम नवरात्रि पर माँ स्कंदमाता की आराधना की जाती है। भगवान स्कंद अर्थात कार्तिकेय की माता होने के कारण देवी को स्कंदमाता कहा जाता है। उनके विग्रह में बाल स्कंद उनकी गोद में विराजते हैं। देवी की चार भुजाएं हैं और उनके हाथों में कमल दिखाई देते हैं। वे सिंहवाहिनी हैं तथा कमलासन पर विराजमान रूप में भी पूजी जाती हैं। उनका यह स्वरूप मातृत्व की गरिमा और संरक्षण के भाव को अत्यंत सुंदर ढंग से व्यक्त करता है। स्कंदमाता के स्वरूप में ममता के साथ उत्तरदायित्व का संदेश है। किसी बच्चे का पालन-पोषण उसकी आवश्यकताओं की पूर्ति के साथ उसके व्यक्तित्व को दिशा देने का कार्य भी है। प्रेम के साथ अच्छे संस्कार, स्वतंत्रता के साथ जिम्मेदारी और आत्मविश्वास के साथ विनम्रता विकसित करना परिवार की महत्वपूर्ण भूमिका है। बच्चे अपने आसपास का व्यवहार देखकर सीखते हैं। इसलिए उनके लिए अच्छा वातावरण बनाना भी एक प्रकार की सेवा है। माँ स्कंदमाता की उपासना के भाव को परिवार से आगे समाज तक विस्तृत किया जा सकता है। असहाय बच्चों की सहायता, बुजुर्गों की देखभाल, जरूरतमंदों के प्रति संवेदना और संकट में किसी का सहारा बनना उसी करुणा के रूप हैं। मातृत्व से मिलने वाली सबसे बड़ी सीख है—किसी दूसरे के भविष्य की चिंता करना। पांचवां नवरात्र हमें अपने संबंधों के प्रति अधिक सजग बनने का अवसर देता है। व्यस्तता के बीच परिवार को समय देना, किसी की बात धैर्य से सुनना और भावनात्मक सहारा बनना भी प्रेम की सार्थक अभिव्यक्ति है।



## माँ कात्यायनी

अन्याय के विरुद्ध संकल्प की शक्ति

षष्ठम नवरात्रि माँ कात्यायनी को समर्पित है। प्रचलित कथा के अनुसार महर्षि कात्यायन की तपस्या से प्रसन्न होकर देवी ने उनके यहां प्रकट होने का वर दिया, जिससे वे कात्यायनी कहलायीं। देवी का यह स्वरूप महिषासुर के संहार से जुड़ा है। सिंह पर आरूढ़ माँ कात्यायनी की चार भुजाएं दिखाई जाती हैं। उनके हाथों में तलवार और कमल रहते हैं तथा अन्य हाथ भक्तों को अभय और वरदान देते हैं। उनका रूप तेजस्विता और रक्षक शक्ति का प्रतीक माना जाता है। माँ कात्यायनी से मिलने वाली प्रेरणा न्याय के प्रति प्रतिबद्धता है। समाज में अच्छा परिवर्तन लाने के लिए गलत बात को गलत कहने का नैतिक साहस चाहिए। यह साहस अपने दैनिक व्यवहार में भी दिखाई देता है—ईमानदारी से कार्य करना, भेदभाव का विरोध करना, किसी की गरिमा को चोट न पहुंचाना और अपने लाभ के लिए दूसरों का अधिकार न छीनना। व्यक्ति का चरित्र ऐसे ही छोटे निर्यायों से बनता है। कात्यायनी की आराधना के अवसर पर नारी सम्मान का संकल्प विशेष अर्थ रखता है। देवी के सामने नतमस्तक होने वाला समाज तभी अपनी आस्था को सार्थक बनाएगा, जब महिलाओं को शिक्षा, सुरक्षा, अवसर और निर्णय की स्वतंत्रता देगा। बेटियों की क्षमता पर विश्वास करना और उनके सपनों को आगे बढ़ने देना शक्ति की पूजा का व्यावहारिक रूप है। छठा नवरात्र हमें याद दिलाता है कि हमारे भीतर का साहस दूसरों के सम्मान की रक्षा में भी दिखाई देना चाहिए।



## माँ सिद्धिदात्री

साधना की पूर्णता और ज्ञान का प्रसाद

नवम नवरात्रि माँ सिद्धिदात्री की आराधना का दिन है। उनके नाम का अर्थ है सिद्धि प्रदान करने वाली देवी। धार्मिक मान्यताओं में उन्हें विविध सिद्धियों की दात्री कहा गया है। माँ सिद्धिदात्री कमल पर विराजमान दिखाई जाती हैं। उनकी चार भुजाओं में शंख, चक्र, गदा और कमल सुशोभित होते हैं। देव, गंधर्व, यक्ष और साधक उनकी उपासना करते हैं—ऐसा धार्मिक वर्णनों में मिलता है। नवदुर्गा के क्रम में उनका स्थान साधना की पूर्णता के भाव से जुड़ा है। जीवन के संदर्भ में सिद्धि को अपनी क्षमताओं के श्रेष्ठ विकास के रूप में समझा जा सकता है। ज्ञान प्राप्त करना, किसी कार्य में दक्षता हासिल करना और उस योग्यता का सदुपयोग करना महत्वपूर्ण उपलब्धियां हैं। लेकिन उपलब्धि के साथ विनम्रता भी आवश्यक है। यदि सफलता अहंकार बढ़ाए और व्यक्ति दूसरों से कट जाए तो उसके सुख का दायरा छोटा हो जाता है। वही सफलता अधिक सार्थक है, जिससे परिवार, समाज और आने वाली पीढ़ियों को भी लाभ मिले। माँ सिद्धिदात्री की आराधना हमें अपने प्रयासों के उद्देश्य पर विचार करने का अवसर देती है। हम जो सीख रहे हैं, जो कमा रहे हैं और जो बना रहे हैं, उससे किसका भला हो रहा है? यह प्रश्न जीवन की दिशा स्पष्ट कर सकता है। नवमी का संदेश है कि ज्ञान को सेवा से, क्षमता को जिम्मेदारी से और सफलता को कृतज्ञता से जोड़ें। साधना का फल व्यवहार में दिखाई दे, तभी वह जीवन को समृद्ध बनाती है।

## आराधना के साथ आचरण में उतरे शक्ति का सम्मान

नवरात्रि के नौ स्वरूप अलग-अलग जीवन मूल्यों पर विचार करने का अवसर देते हैं। शैलपुत्री से स्थिरता, ब्रह्मचारिणी से अनुशासन, चंद्रघंटा से साहस और कूष्मांडा से सृजन की प्रेरणा ली जा सकती है। स्कंदमाता करुणा की ओर ध्यान दिलाती हैं, कात्यायनी न्याय के पक्ष में खड़े होने का भाव जगाती हैं और कालरात्रि कठिनाइयों का सामना करने का साहस देती हैं। महागौरी का स्मरण मन की निर्मलता तथा सिद्धिदात्री की आराधना उपलब्धि के सदुपयोग की प्रेरणा बन सकती है। ये जीवनीपयोगी अर्थ हमें पूजा और दैनिक व्यवहार के बीच संबंध बनाने में सहायता करते हैं।

उत्सव का वातावरण तभी अधिक सुंदर बनता है, जब उसमें सबकी सुविधा और गरिमा का ध्यान रखा जाए। पूजा के आयोजनों में स्वच्छता, सार्वजनिक स्थानों पर अनुशासन, भोजन का सम्मान और जरूरतमंदों के प्रति सहयोग का भाव हमारी श्रद्धा को व्यापक बनाते हैं। अपनी खुशी में दूसरों की कठिनाई न बढ़ाना भी संवेदनशीलता है। भक्ति के साथ जिम्मेदारी जुड़ जाए तो उत्सव समाज में सौहार्द बढ़ाने का माध्यम बनता है। शक्ति की आराधना में स्त्री के वास्तविक जीवन का सम्मान सबसे

महत्वपूर्ण संकल्प होना चाहिए। घर की महिलाओं के श्रम को महत्व देना, बेटियों को समान अवसर देना, उनके विचार सुनना और उनके सम्मान की रक्षा करना रोजमर्रा के जीवन की आवश्यक जिम्मेदारियां हैं। माँ की महिमा गाते समय अपने आसपास की महिलाओं के प्रति व्यवहार पर भी विचार होना चाहिए। श्रद्धा की सबसे सुंदर पहचान करुणामय और न्यायपूर्ण आचरण है। शारदीय नवरात्रि के ये पावन दिन हमें अपने भीतर आशा, साहस और सद्भाव का दीप जलाने के लिए आमंत्रित करते हैं। मंदिर की ज्योति के

साथ मन का विवेक भी प्रकाशित हो, आरती के स्वरों के साथ वाणी में मधुरता आए और माँ के चरणों में अर्पित पुष्पों के साथ जीवन में अच्छे कर्मों की सुगंध फैले। माँ के नौ स्वरूपों की आराधना से मिला यह संकल्प उत्सव के बाद भी बना रहे—हम अपने परिवार के लिए संबल, समाज के लिए सहयोगी और किसी जरूरतमंद के लिए आशा बन सकें।



## नवरात्र के शुभारंभ पर आज निकलेगी भव्य कलश यात्रा

निसं

**जाखल ( नवयत्न )**। जाखल गांव में नवरात्र के शुभारंभ पर रविवार को मां दुर्गा सेवा समिति के तत्वावधान में भव्य कलश यात्रा का आयोजन किया जाएगा। धार्मिक आयोजन को लेकर श्रद्धालुओं में उत्साह का माहौल है। कलश यात्रा में हजारों महिला-पुरुष श्रद्धालुओं के शामिल होने की संभावना है। आयोजन को लेकर तैयारियों की जा रही हैं। जानकारी के अनुसार कलश यात्रा रविवार सुबह 9 बजे हनुमानगढ़ी बालाजी मंदिर से रवाना होगी। यात्रा गांव के मुख्य बाजार सहित प्रमुख मार्गों से होकर गुजरेगी। इस दौरान बड़ी संख्या में महिलाएं सिर पर मंगल कलश धारण कर शामिल होंगी। वहीं पुरुष श्रद्धालु भी धार्मिक उत्साह के साथ यात्रा में भाग लेंगे। पिछले वर्ष की तरह इस बार भी कलश यात्रा को भव्य रूप देने की तैयारियों की जा रही हैं। कलश यात्रा के मुख्य बाजार पहुंचने के बाद सुबह करीब सवा 10 बजे मां दुर्गा की मूर्ति की स्थापना की जाएगी। इसके बाद विधि-विधान के साथ पूजा-अर्चना कर नवरात्र के धार्मिक कार्यक्रमों का शुभारंभ होगा। आगामी नौ दिनों तक मां दुर्गा की आराधना, पूजा-पाठ और अन्य धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। मां दुर्गा सेवा समिति की ओर से आयोजित इस कार्यक्रम का उद्देश्य ग्रामीणों में धार्मिक आस्था, सामाजिक एकता और आपसी भाईचारे की भावना को मजबूत करना है। नवरात्र के अवसर पर गांव में भक्तिमय वातावरण रहेगा। आयोजन को लेकर ग्रामीणों और श्रद्धालुओं में विशेष उत्साह देखा जा रहा है। समिति की ओर से अनेक संदेश अधिक श्रद्धालुओं से कलश यात्रा में शामिल होकर धर्मलाभ लेने की अपील की गई है।

## लोक अदालत का आयोजन



नवरात्रन वर्मा

**रतनगढ़ ( नवयत्न )**। न्यायालय परिसर में राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन अतिरिक्त मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट अरुण जांगिड़ अध्यक्षता में हुआ। गठित बेंच के सदस्य तालुका विधिक सेवा समिति के सदस्य संतोष बाबू इंदौरिया, अधिवक्ता मनीष शर्मा तथा राजस्व अधिकारी के रूप में तहसीलदार अशोक मीमानी उपस्थित रहे। राष्ट्रीय लोक अदालत का मुख्य उद्देश्य अधिक से अधिक प्रकरणों का आपसी समझौते के माध्यम से त्वरित एवं सौहार्दपूर्ण निस्तारण करना रहा। लोक अदालत में अपर जिला एवं सेशन न्यायाधीश न्यायालय के 37 प्रकरणों तथा अतिरिक्त मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट न्यायालय के 137 प्रकरणों का निस्तारण किया गया। इसके अतिरिक्त 10 वर्ष से अधिक पुराने 02 प्रकरण, वैवाहिक के 45प्रकरण, प्री-लिटिगेशन के 10 प्रकरण, सेशन का 01 प्रकरण, सिविल के 16 प्रकरण, एमवी एक्ट के 1703 प्रकरण तथा क्रिमिनल कपाउंडेबल के 83 प्रकरणों,138 एनआई एक्ट के 24 प्रकरण, एमएससीटी के 5 प्रकरणों का निस्तारण किया गया। निस्तारण के दौरान प्री-लिटिगेशन प्रकरणों में 7,42,128 तथा एमएससीटी मे 5375000, एनआईण् एक्ट के प्रकरणों में 2269660 राशि की वसूली हुई। वहीं वैवाहिक प्रकरणों में 2250 राशि पर समझौता हुआ। इस अवसर पर अधिवक्ता प्रमोद इंदौरिया, आशुतोष पुरोहित, पंकज मंडार, खेमराम प्रजापत सुरेंद्र जयसवाल, गौरीशंकर हरितवाल, रवि प्रकाश सहित अन्य अधिवक्ता उपस्थित रहे।

### संगीतमय श्रीमद् भागवत कथा कल से निसं

**उदयपुरवाटी ( नवयत्न )**। कस्बे के वार्ड नंबर 27 में स्थित केशवराय के मंदिर में 12 अक्टूबर से संगीतमय श्रीमद् भागवत कथा का आयोजन प्रारंभ होगा। मंदिर के पुजारी राजेंद्र पाराशर व कृष्ण पाराशर ने जानकारी देते हुए बताया कि 12 अक्टूबर को प्रातः सवा 10 बजे सैकड़ों महिलाओं द्वारा एक विशाल कलश यात्रा निकाली जाएगी जो कस्बे के मुख्य मार्ग से होती हुई वापस मंदिर परिसर पहुंचेगी। मंदिर के पुजारी राजेंद्र पाराशर व कृष्ण पाराशर के अनुसार कथा 12 अक्टूबर से रोज दोपहर 3 बजे से 7 बजे तक आयोजित होगी। केशवरायजी के मंदिर के पुजारी के अनुसार श्री संगीतमय श्रीमद् भागवत कथा के दौरान रोज 3 बजे से 7 बजे तक कथा व्यास पीठह दीपक पाराशर मऊ वाले कथा का रसपान करवाएंगे। कृष्ण पाराशर ने जानकारी देते हुए बताया कि 12 अक्टूबर से मंदिर परिसर में आयोजित होने वाली संगीतमय श्रीमद् भागवत कथा की तैयारियां जोरशोर से चल रही हैं। 12 अक्टूबर को आयोजित होने वाली विशाल कलश यात्रा की तैयारियों को लेकर महिलाओं में काफी उत्साह दिखाई दे रहा है।

### ब्लॉक स्तरीय प्रबल कार्यक्रम आयोजित



अबूबकर बल्लूी

**लाडनूँ ( नवयत्न )**। स्थानीय पीएम श्री राजकीय केसर देवी बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय लाडनूँ में ब्लॉक स्तरीय प्रबल कार्यक्रम का संस्था प्रधान परसराम चौधरी की अध्यक्षता और एसीबीईओ लक्ष्मण सेन के मुख्य आतिथ्य, मनीष सिंघाटिया यूसीईओ इन्दरचंद जांगिड़ प्रधानाचार्य, ओमशंकर गर्वा, आरपी सुरेश शर्मा के विशिष्ट आतिथ्य में आगाज किया गया। प्रभारी परेश्वरी ने प्रबल कार्यक्रम की रुपरेखा पर प्रकाश डालते हुए बताया कि इस ब्लॉक के 35 विद्यालयों के प्रतिभागियों ने भाग लिया। शिव शंकर बोहरा ने बताया कि इस कार्यक्रम में 21वीं सदी के कौशल विकास के तहत नए कार्यक्रम से विद्यार्थियों ने कौशल विकास, विचार अभिव्यक्ति और नेतृत्व विकास को बल मिलता है। कार्यक्रम में छात्र वर्ग में प्रदीप पारीक बाकलिया और छात्रा वर्ग में डिप्पल प्रजापत प्रथम स्थान प्राप्त संभागियों को मोमेंटो और प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। यूसीईओ मनीष, हर्षवर्धन, योगेन्द्र सिंह ने प्रबल कार्यक्रम पर विस्तार से जानकारी दी। विजय सिंह चौहान ने आभार और धन्यवाद ज्ञापित किया। निर्णायक मंडल में गोपाल सिंह प्रिंसिपल जसवंतगढ़, सुमन चौधरी व्याख्याता मंगलपुरा, कृष्ण सिंह छात्र और सानिया लखारा छात्रा थे।

# मुख्य बाजार में बिजली के खुले तारों पर झूलते मीटर निगम की बढ इंतजामी से हो सकता है बड़ा हादसा

अबूबकर बल्लूी

**लाडनूँ ( नवयत्न )**। शहर के राहुगेट के सामने स्थित मुख्य बाजार की गली एवं नेत्र चिकित्सालय के आगे कपड़ा बाजार जैसे भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों में विद्युत निगम की बड़ी बढ इंतजामी देखने को मिली। यहां दुकानों के पास ही बिजली के नंगे तारों पर मीटर झूल रहे हैं तो कहीं तारों पर कपड़े के पर्दे बंधे हुए नजर आ रहे हैं। जिसके चलते भीड़भाड़ वाले क्षेत्र में कभी भी शॉर्ट सर्किट या चिंगारी से बड़ा हादसा होने से इनकार नहीं किया जा सकता। यहां मुर्दागली में दुकानदारों ने धूप से बचाव के लिए पर्दे और कपड़े के शेड बिजली के तारों के सहारे बांध रखे हैं। गली के ऊपर फैले बिजली के तारों के बीच लटकते पर्दे और बेतरतीब तारों का फैला हुआ जाल सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े कर रही हैं।

## चिट्ठा हेरोईन के साथ युवक गिरफ्तार निसं

**चूरू ( नवयत्न )**। चूरू में अवैध मादक पदार्थों की तस्वीर के खिलाफ चलाए जा रहे हैं विरुष अभियान की कड़ी में चूरू की कोतवाली थाना पुलिस ने चिट्ठा हेरोईन के साथ शहर की ओम कॉलोनी निवासी एक युवक को गिरफ्तार किया है। कोतवाली थाने के सब इंस्पेक्टर हंसराज ने बताया कि कचबा चौकी के पास नाकाबंदी के दौरान पैदल आ रहा एक शख्स पुलिस जाब्ता को देखकर घबरा गया, जिसे रोककर पुलिस ने पूछताछ की तो आरोपी पुलिस को कोई संतोषजनक जवाब नहीं दे पाया, जिस पर पुलिस ने युवक की तलाशी ली तो आरोपी के कब्जे से 6.70 ग्राम हेरोईन चिट्ठा बरामद हुआ। पुलिस ने अवैध हेरोईन चिट्ठा जब्तकर ओम कॉलोनी निवासी राकेश को गिरफ्तार कर कोवाली थाने में एनडीपीएस एक्ट की धाराओं में मामला दर्जकर जांच शुरू कर दी। पुलिस अब यह पता लगाने का प्रयास कर रही है की आरोपी हेरोईन चिट्ठा कहा से लाया था और क्या स्वयं नशे का आदि है या फिर किसी और को देने जा रहा था।



# डांडिया व गरबा नृत्य आयोजित

नवरात्रन वर्मा

**रतनगढ़ ( नवयत्न )**। रतनगढ़ में श्रीअग्रवाल सेवा समिति के तत्वावधान में महाराज अग्रसेन की जयंती के उपलक्ष में चल रहे अग्र महोत्सव के अंतर्गत शुक्रवार रात्रि को अग्रसेन भवन में डांडिया व गरबा का आयोजन महाराज अग्रसेन की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलन एवं मात्स्यपर्ण से शुरू हुए कार्यक्रम में समाज की महिलाओं एवं युवतियों ने डांडिया व गरबा की प्रस्तुतियां दी। देर रात तक चले कार्यक्रम में गरबा डांडिया खजाना कूपन निकाला गया, जिसमें निकिता चौधरी, तुत्ति खेतान, शर्मिला पौद्दार, मधु भंडेच, काव्या अग्रवाल विजेता रही, जिन्हें श्री अग्रवाल समाज सेवा समिति के द्वारा चांदी का सिक्का देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर



पर मीनू रामगढ़िया, सुनीता चमड़िया, दीप्ती खेमका, प्रियंका मुरारका, मनीषा सिंघानिया, जयश्री पाण्डुसरिया, कंचन सांगोनरिया, पूजा सराफ, निर्मला चमड़िया, कीर्ति सरावगी, मोनिका चौधरी, सरिता चौधरी सहित समाज की मातृशक्ति उपस्थित थी। वहीं शनिवार की सुबह पंजरापोल गोशाला में गायों को लापसी

## कैला देवी के दर्शन कर चिड़ावा लौटे लेखक महेश आजाद

निसं

**चिड़ावा ( नवयत्न )**। अपने मंदिर अपनी धरोहर अभियान के तहत अन्वेषी लेखक महेश कुमार शर्मा आजाद शुक्रवार को करौली स्थित कैला देवी मंदिर में दर्शन-पूजन कर शनिवार को अपने गृहनगर चिड़ावा लौट आए। इस दौरान उन्होंने करौली के मदनमोहन गोपाल मंदिर में भी दर्शन किए। यात्रा में चिड़ावा के आरआर फिलिंग स्टेशन के प्रोपराइटर राधेश्याम ऑपरेटर, मुकेश बैट्टी के मुकेश जलिनद्रा और करौली पुलिस चौकी प्रभारी वीर प्रताप सिंह भी साथ रहे। महेश आजाद ने बताया कि वे अपने धार्मिक यात्रा अभियान के तहत विभिन्न मंदिरों और धार्मिक स्थलों का भ्रमण कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि अब तक की



यात्रा में उन्होंने पश्चिम बंगाल के कूच बिहार में भगवान मदनमोहन का मंदिर देखा है। राजस्थान में भगवान मदनमोहन का दूसरा मंदिर उन्हें करौली में देखने को मिला। उन्होंने मंदिरों की धार्मिक और ऐतिहासिक विरासत को जानने के उद्देश्य से इस अभियान को जारी रखने की बात कही।

### दुर्गा पूजा महोत्सवा आज से

**खेतडी नगर ( नवयत्न )**। केसीसी के जगदंबा मार्केट स्थित हनुमान मंदिर में श्री बालाजी सेवा समिति के तत्वावधान में रविवार से नौ दिवसीय तुतीय दुर्गा पूजा महोत्सव का शुभारंभ होगा। सुभाष शर्मा ने बताया कि रविवार सुबह सवा बारह बजे हनुमान मंदिर में षष्ठ स्थापना के साथ दुर्गा पूजा महोत्सव का शुभारंभ होगा। 17 अक्टूबर शनिवार सुबह सवा नौ बजे कलश यात्रा निकाली जाएगी, 17 व 18 अक्टूबर को देर शाम को आरती के पश्चात डांडिया नृत्य का आयोजन होगा। 19 अक्टूबर सोमवार शाम पांच बजे मूर्ति प्रस्थापन के साथ दुर्गा पूजा महोत्सव का समापन होगा। इसी प्रकार थर्ड सेक्टर स्थित आधारशिला में भी रविवार को दुर्गा पूजा महोत्सव का शुभारंभ होगा।



# मारुति उद्योग नोखा को लगातार पांचवीं बार अंतर्राष्ट्रीय सम्मान

श्रीराम तिवारी

**नोखा ( नवयत्न )**। कृषि निर्यात के क्षेत्र में नोखा की पहचान की अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मजबूत करते हुए मारुति उद्योग नोखा ने एक और महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। भारत से छिलके सहित मूंगफली ग्राउंडनट इन-शेल के सर्वाधिक निर्यात के लिए इंडियन ऑयलसीईएस एंड प्रोड्यूस एक्सपोर्ट प्रमोशन काउंसिल की ओर से मारुति उद्योग को लगातार पांचवीं बार प्रतिष्ठित सम्मान से नवाजा गया है। बीकानेर जिला उद्योग संघ के अध्यक्ष द्वारकाप्रसाद पचींसिया एवं सचिव वीरेंद्र किराड़ू ने बताया कि यह सम्मान 9 से 11 अक्टूबर 2026 तक थाईलैंड के खाओ लाक स्थित मैरियट रिसॉर्ट में आयोजित अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन 2026 के दौरान प्रदान किया गया। सम्मेलन में विभिन्न देशों के निर्यातक, कृषि व्यापार प्रतिनिधि और उद्योग विशेषज्ञ भाग ले रहे हैं। मारुति उद्योग के निदेशक एवं बीकानेर जिला उद्योग संघ के कार्यकारिणी सदस्य राजेश झंवर ने इस उपलब्धि का श्रेय किसानों, कर्मचारियों, व्यावसायिक सहयोगियों और शुभचिंतकों के सामूहिक

प्रयासों को दिया। उन्होंने कहा कि कंपनी का प्रमुख उद्देश्य उच्च गुणवत्ता वाले भारतीय कृषि उत्पादों को वैश्विक बाजार तक पहुंचाना और देश की साख को मजबूत करना है। मारुति उद्योग, मोहनलाल सत्यनारायण झंवर,नोखा ग्रुप से संबद्ध है। इसी समूह की अन्य इकाइयां बालाजी उद्योग और मुरली फ्लोर मिल्स भी स्थानीय कृषि उत्पादों के निर्यात में सक्रिय हैं। समूह की इन इकाइयों के प्रयासों से नोखा और बीकानेर क्षेत्र को कृषि एवं कृषि आधारित उद्योगों के क्षेत्र में नई पहचान मिल रही है। गुणवत्तापूर्ण उत्पादन, पारदर्शी व्यापार नीति और किसानों के साथ मजबूत संबंधों के आधार पर समूह ने अंतरराष्ट्रीय बाजार में अपनी पहचान बनाई है। लगातार पांचवीं बार सम्मान प्राप्त करना मारुति उद्योग की निर्यात गतिविधियों, उत्पादों की गुणवत्ता और अंतरराष्ट्रीय ग्राहकों के साथ व्यावसायिक संबंधों की निरंतरता को दर्शाता है। बीकानेर जिला उद्योग संघ के अध्यक्ष द्वारकाप्रसाद पचींसिया ने कहा कि संघ की सदस्य इकाई को मिला यह सम्मान पूरे जिला उद्योग संघ के लिए गौरव का विषय है। उन्होंने इसे क्षेत्र के कृषि आधारित उद्योगों की उपलब्धि

### महाराजा अग्रसेन जयंती पर दो दिवसीय कार्यक्रम आयोजित निसं

**नवलगढ़ ( नवयत्न )**। श्री वैश्य समाज सुधार समिति नवलगढ़ के तत्वाधान में महाराजा अग्रसेन जयंती के उपलक्ष में दो दिवसीय कार्यक्रम का शुभारंभ मानसिंह का धर्मशाला में महाराजा अग्रसेन की मूर्ति के समक्ष राम गोपाल गुप्ता द्वारा द्वीप प्रज्वलन कर व समिति अध्यक्ष कैलाश चंद्र सिंगदोड़िया द्वारा पुष्प हार पहना कर किया गया। प्रथम दिवसीय कार्यक्रम महिला मंडल द्वारा आयोजित किया गया जिसकी अध्यक्षता उषा रामगोपाल गुप्ता, मुख्य अतिथि मीना पवन सिंगदोड़िया, विशिष्ट अतिथि सलोनी अनिल बिरोलिया, सुशीला विमल नैनसुखा, शिवशू निदेश बिरोलिया रही। कार्यक्रम में गिनी देवी बसेसर लाल भोरिया, स्मृति हनुमान चालीसा पाठ में प्रथम नव्या मुरारका, द्वितीय कृष्णा



सुरेखा व दिव्या मुरारका, तृतीय भव्या शाह तथा रामचरित मानस चौपाई में प्रथम रियाश चिरानीया, द्वितीय काव्य धूत, तृतीय हिया नैनसुख रही, बुजमोहन बिरोलिया स्मृति रंग भरो प्रतियोगिता में प्रथम चार्वीक जोगाणी, द्वितीय तेजस्वी नैनसुखा तृतीय संचित शाह तथा आर्ट एंड क्राफ्ट के प्रतियोगिता में प्रथम नव्या मुरारका, द्वितीय हिया नैनसुखा, तृतीय नीरव पांडिया रहे। श्रीमती गीता देवी बुजमोहन बिरोलिया स्मृति में गट नारियल पैकैंग हैंपर पैकिंग में प्रथम प्रगति

चिरानीया, द्वितीय पायल मुरारका, तृतीय पारुल परसरामपुरिया तथा दामोदर प्रसाद सोमानी स्मृति रामचरित मानस प्रतियोगिता में सभी उपस्थित महिलाएं, युवतियां सही उतर बताने वाले को पुरस्कृत किया गया। कार्यक्रम में श्रीकांत मुरारका, विनोद भगोरिया, पंकज शाह, विजय प्रकाश धूत, सुहीत पांडिया, अनिल बिरोलिया, ओम प्रकाश गुप्ता, शशिकांत छावछरिया एवं महिलाएं युवतियां और बच्चों की उपस्थिति रही।

# सिटी पैलेस में सजा हीरों का शाही संगम

निसं

**जयपुर ( नवयत्न )**। गुलाबी नगरी की शाही विरासत और प्राकृतिक हीरों की चमक ऐतिहासिक सिटी पैलेस में एक साथ नजर आई। डी बीएस समूह ने यहां आयोजित विशेष समारोह में विरासत, समकालीन संस्कृति और हीरे के आभूषणों को एक मंच पर लाते हुए भारत में प्राकृतिक हीरों से जुड़े दो नए अध्यायों की शुरुआत की। इस अवसर पर महाराजा सवाई पद्मनाभ सिंह को भारत में प्राकृतिक हीरों के लिए डी बीएस समूह के पैरोकार के रूप में प्रस्तुत किया गया। वहीं, फॉरएवरमार्क डायमंड ज्वेलरी ने भारत में अपनी पहली वर्षगांठ के मौके पर जयपुर की राजकुमारी गौरवी कुमारी के साथ नया त्योहारी अभियान शुरू किया। महाराजा सवाई पद्मनाभ सिंह ने कहा कि डी बीएस के साथ इस जुड़ाव को लेकर वे उत्साहित हैं। इसके माध्यम से युवा पीढ़ी के सामने प्राकृतिक हीरों की अनूठी कहानी और उनसे जुड़ी विरासत को रखने का अवसर मिलेगा। डी बीएस समूह की वरिष्ठ उपाध्यक्ष और फॉरएवरमार्क की मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्वेता हरित ने कहा कि भारत का हीरों के साथ ऐतिहासिक और खास रिश्ता रहा है। यह संबंध देश की पारंपरिक कारीगरी, आभूषणों के प्रति लगाव और बहुमूल्य वस्तुओं की समझ से जुड़ा है। राजकुमारी गौरवी कुमारी ने कहा कि फॉरएवरमार्क डायमंड ज्वेलरी परंपरा को आधुनिक सौंदर्यबोध के साथ जोड़ती है। यही वजह है कि यह आज की महिला की पहचान की पसंद उसकी व्यक्तिगत शैली के अनुरूप है। श्वेता हरित ने कहा कि भारत में पहला वर्ष पूरा होने के साथ कंपनी ऐसे उपभोक्ताओं को देख रही है, जो आभूषणों में अपनी व्यक्तिगत पसंद, विशिष्टता और स्टाइल को झलक चाहते हैं। उनके अनुसार, राजकुमारी गौरवी कुमारी इस सोच को प्रभावी ढंग से प्रस्तुत करती हैं। समारोह में जयपुर की शाही विरासत और प्राकृतिक हीरों की परंपरा को समकालीन अंदाज में सामने रखा गया।



## राष्ट्रीय लोक अदालत आयोजित, 134 मामलों का निस्तारण



निर्स

**तारानगर ( नवयत्न )।** तारानगर की सिविल न्यायाधीश एवं न्यायिक मजिस्ट्रेट अंजलि सोनी की अध्यक्षता में शनिवार को राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया गया। जिसमें दंडिक शमनोय के 32 प्रकरण, 138 एनआई एक्ट के 12 प्रकरणों का निस्तारण, जिसमें 38 लाख 44 हजार रुपये की वसूली हुई। वैवाहिक मामलों के 20 प्रकरण, भरण पोषण के 40 प्रकरणों का निस्तारण, जिसमें 68500 रुपये की वसूली हुई, सिविल व धन वसूली के 12 प्रकरणों का निस्तारण एमएसीटी के 07 प्रकरणों में कुल 72 लाख 45 हजार रुपये के पंचाट पारित किये, बैंक तथा बीएसएनएल के प्री-लिटिगेशन के 11 प्रकरणों का निस्तारण, जिसमें 28 लाख 44 हजार 500 रुपये की वसूली हुई। इस प्रकार इस राष्ट्रीय लोक अदालत में कुल 134 प्रकरणों का निस्तारण किया गया, जिनमें कुल 1 करोड़ 40 लाख 02 हजार रुपये की वसूली/समझौता राशि तय हुई। सदस्य के रूप में अधिकता विकास सोनी ने सहयोग किया। लोक अदालत के दौरान ताछुका विधिक सेवा समिति सचिव जयन्त यादव, सहायक अभियोजन अधिकारी गोविन्द सिंह मोयल, न्यायालय कर्मचारी सुरेश कुमार चेजारा, धर्मेन्द्र सिंह, गोपीराम, मुकेश पुनिया, इंद्राज पुनिया, धीरज कुमार, संजय कुमार, घनश्याम शर्मा, टीकुराम, मुकेश सैनी, केलाश सिंह सहित अधिकता एवं बैंक कर्मचारीगण मौजूद रहे।

## जिला स्तरीय एथलेटिक्स प्रतियोगिता में खिलाड़ियों ने दिखाया दमखम

ललित दाधी

**राजलदेसर ( नवयत्न )।** राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, राजलदेसर में आयोजित 70वीं जिला स्तरीय एथलेटिक्स प्रतियोगिता छात्रा (17 एवं 19 वर्ष आयु वर्ग) के अंतर्गत शनिवार को विभिन्न ट्रैक एंड फील्ड स्पर्धाओं का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में छात्राओं ने उत्साह, खेल भावना और उकड़त प्रदर्शन के साथ भाग लिया। प्रतियोगिता के दौरान 3 किलोमीटर दौड़, 100 मीटर फाइनल, गोला फेंक, ट्रिपल जंप, 400 मीटर सेमीफाइनल तथा हैमर थ्रो की स्पर्धाएं आयोजित की गईं। वहीं दोपहर बाद 400 मीटर फाइनल, 100 मीटर बाधा दौड़ का ट्रायल एवं फाइनल, 1500 मीटर दौड़ तथा 4 गुणा 100 मीटर रिले दौड़ की स्पर्धाएं निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार आयोजित की गईं। प्रतियोगिता में विभिन्न विद्यालयों से आई छात्राओं ने अपनी प्रतिभा और खेल कौशल का प्रदर्शन किया। आयोजन का उद्देश्य छात्राओं में खेल भावना, अनुशासन, प्रतिस्पर्धात्मक क्षमता और शारीरिक दक्षता को बढ़ावा देना है। उल्लेखनीय है कि 70वीं जिला स्तरीय एथलेटिक्स प्रतियोगिता का आयोजन 9 से 12 अक्टूबर तक किया जा रहा है। प्रतियोगिता के माध्यम से प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को अपनी खेल प्रतिभा प्रदर्शित करने का अवसर मिल रहा है।

## संभावित प्रत्याशियों की प्रबोधन कार्यशाला आयोजित



अमित प्रजापत

**सुजानगढ़ ( नवयत्न )।** स्थानीय पंचायत समिति सभागार में राज्य निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार संभावित प्रत्याशियों की प्रबोधन कार्यशाला का आयोजन किया गया। जिसमें जिला परिषद सदस्य, पंचायत समिति सदस्य, पंच व सरपंच पद के संभावित प्रत्याशियों के नाम निर्देशन पत्रों को भरने एवं नाम निर्देशन पत्र के साथ संलग्न आवश्यक दस्तावेजों की जानकारी दी गई। कार्यशाला में 86 संभावित प्रत्याशियों ने भाग लिया। मास्टर ट्रेनर पप्पू राम मीणा प्रधानाचार्य, मनोहर सिंह शेखावत प्रधानाचार्य ने नाम निर्देशन पत्रों को भरते समय विशेष ध्यान रखने का प्रशिक्षण दिया और फॉर्म के साथ लगने वाले विभिन्न दस्तावेजों को लगाने का क्रम के बारे में बताया। इस अवसर पर प्रभारी प्रशिक्षण अधिकारी कमलकांत वेदी, अतिरिक्त विकास अधिकारी, प्रोग्रामर गौरी शंकर सेन, पुरुषोत्तम चौहान, ब्लॉक अध्यक्ष महावीर सिंह शार्वतीसर, चितरंजन सिंह भाजपा मंडल अध्यक्ष, रेखा राम मेहरड़ा, पूजा गोदारा करणी सिंह, इंराराम, मगराज शर्मा, रामचंद्र गोदारा, अमरराम सियाग, मुपादचंद्र, तखु सिंह बावरी, विक्रम सिंह आदि संभावित प्रत्याशी उपस्थित रहे।

**10 दिवसीय रामलीला महोत्सव आज से खेतड़ी नगर ( नवयत्न )।** केसीसी के रामलीला मैदान में रविवार से 10 दिवसीय रामलीला महोत्सव श्री सनातन धर्म रामलीला समिति के सौजन्य से प्रारंभ होगी। समिति अध्यक्ष सर्वाई सिंह सिराधना ने बताया कि रविवार देर शाम सवा आठ बजे रामलीला महोत्सव का उद्घाटन केसीसी कार्यापालक निदेशक पीडी बोहरा द्वारा किया जाएगा। रामलीला मंच मुख्य निदेशक राजकुमार टेलर एवं निदेशक सर्वाईसिंह ने बताया कि स्थानीय कलाकारों द्वारा रामलीला का मंचन किया जाएगा। रामलीला के प्रथम दिन रविवार को राम जन्म, ब्रह्मदेव द्वारा रावण, विधिपण एवं कूंभकरण वरदान देने का मंचन किया जाएगा, बीस अक्टूबर को नेहरू मैदान में रावण दहन के साथ रामलीला महोत्सव का समापन होगा।

# राष्ट्रीय लोक अदालत : राजीनामों से 379 प्रकरणों का हुआ निस्तारण

निर्स

**श्रीमाधोपुर ( नवयत्न )।** राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण, नई दिल्ली, राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, जयपुर एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, सीकर के तत्वाधान में शनिवार को इस वर्ष की तृतीय राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया गया। जिसके संदर्भ में नीतू एसीजेएम क्रम-01, श्रीमाधोपुर ने बताया कि श्रीमाधोपुर न्यायक्षेत्र में 03 राष्ट्रीय लोक अदालत बेंचों का गठन किया गया हैं जिसमें बैंच संख्या 01 व 02 श्रीमाधोपुर न्यायालय परिसर एवं बैंच संख्या 03 खण्डेला न्यायालय परिसर में प्रातः 10 बजे से सायं 05 बजे तक प्रकरणों की सुनवाई की गयी। जिसमें श्रीमाधोपुर तालुका स्थित न्यायालयों में लंबित राजीनामा योग्य सिविल, फौजदारी प्रकरणों, एमएसीटी पारिवारिक न्यायालय, घरेलू हिंसा, 138 एनआई एक्ट एवं प्री-लिटिगेशन (बैंक, बीमा कम्पनियों एवं बीएसएनएल) आदि के कुल 2431 प्रकरण चिन्हित में सुनवायी की गयी। जिसमें कुल 379 प्रकरणों का निस्तारण एवं राशि 5 करोड़ 54 लाख 03 हजार 109 रुपये के अवार्ड पारित किये गया। जिनमें न्यायालयों में लंबित 303 प्रकरण एवं प्री-लिटिगेशन के 76 प्रकरणों का निस्तारण राष्ट्रीय लोक अदालत राजीनामा के



माध्यम से किया गया। इस दौरान अपर जिला एवं सेशन न्यायालय, श्रीमाधोपुर में लंबित मोटर दुर्घटना दावा अधिकरण के 19 प्रकरणों का निस्तारण किया गया जिनमें 1,47,30,000 1 करोड़ 47 लाख 30 हजार रुपये के अवार्ड पारित किये गये एवं 18 पारिवारिक प्रकरणों का निस्तारण लोक अदालत की भावना से किया गया। इस मौके पर बैंच अध्यक्ष नीतू एसीजेएम क्रम-01, श्रीमाधोपुर बैंच संख्या 01 व राकेश चौधरी अतिरिक्त न्यायिक मजिस्ट्रेट बैंच संख्या

02 तथा सदस्य अधिवक्ता भारत भूषण सामोता एवं सुनिल कुमार शर्मा खाकीवाला, बैंक, वित्तीय संस्थानों आदि के अधिकारी व कर्मचारी तथा न्यायालय कर्मचारीगण एवं अधिवक्तागण तथा काफी संख्या में पक्षकार उपस्थित रहें। लोक अदालत में निस्तारित प्रकरण की कोई अपील नहीं होती है एवं न्यायालय द्वारा कोर्ट फीस भी लौटाई जाती हैं। साथ ही लोक अदालत ना किसी की जीत ना किसी की हार के सिद्धान्त पर कार्य करती हैं।

## सड़क दुर्घटना मामले में पीड़ित पक्ष को कुल 2.30 लाख का अवार्ड पारित

निर्स

**तारानगर ( नवयत्न )।** तारानगर के न्यायालय मोटर दुर्घटना दावाधिकरण के पीठासीन अधिकारी संतोष कुमार मीणा ने सड़क दुर्घटना के मामले में कुल 2.30 लाख रुपये का अवार्ड पारित किया। मामले में प्राणी की तरफ से पैरवी करने वाले एडवोकेट जीताराम शर्मा पंडेरुट टिब्बा ने बताया कि 11-02-2025 को राजीव सोनी निवासी मेहरिया भादरा कृषि उपज मंडी तारानगर के सामने से पैदल पैदल सही साइड में जा रहा था इतने में ही सरदारशहर की तरफसे आ रही मोटरसाइकिल के चालक कुलदीप सोनी निवासी पंडेरुट टिब्बा ने अपनी मोटरसाइकिल को तेजगति व लापरवाही से चला के सामने से टक्कर मार दी जिससे बायां पैर टूट गया घायल होते ही संजीवनी अस्पताल तारानगर लेकर आए जहां इलाज चला एवं तारानगर थाने में घटना का मुकदमा दर्ज करवाया तथा पुलिस ने अनुसंधान कर चालक कुलदीप के खिलाफ न्यायालय न्यायिक मजिस्ट्रेट तारानगर में चालान पेश किया। घायल राजीव सोनी ने न्यायालय में क्लेम याचिका पेश की जो राजीव सोनी बनाम यूनाइटेड जन ई. क. लि. आदि पेश की, जिसमें पीठासीन अधिकारी संतोष कुमार मीणा ने दोनों पक्षों की समजाइस कर लोक अदालत की भावना से 2.30 लाख रुपये का अवार्ड पारित कर अप्राणी बीमा कम्पनी को अदा करने का आदेश प्रदान किया। प्राणी की तरफसे मामले में पैरवी एडवोकेट जीताराम शर्मा पंडेरुट टिब्बा ने की।

# आज से होगा रामलीला का मंचन

निर्स

**बीदासर ( नवयत्न )।** कस्बे में शारदीय नवरात्र के अवसर पर बीदासर रामलीला कमेटी की ओर से 10 दिवसीय रामलीला का मंचन रविवार से शुरू होगा। गणगौर चौक स्थित रामदेव मंदिर के पास आयोजित होने वाली रामलीला में स्थानीय कलाकार भगवान श्रीराम के जीवन से जुड़े विभिन्न प्रसंगों का मंचन करेंगे। रामलीला का आयोजन प्रतिदिन रात 8 बजे से होगा। आयोजन को लेकर कमेटी की ओर से तैयारियां की जा रही हैं और कलाकार नियमित रूप से अभ्यास में जुटे हुए हैं। समिति अध्यक्ष कपिल सारस्वत ने बताया कि रामलीला के माध्यम से भगवान श्रीराम के आदर्शों, मर्यादा और धर्म के मार्ग पर चलने का संदेश दिया जाएगा। स्थानीय कलाकारों की ओर से रामायण के प्रसंगों को मंच पर

जीवंत किया जाएगा, ताकि कस्बे के लोग धार्मिक और सांस्कृतिक परंपरा से जुड़ सकें। रामलीला को लेकर कलाकारों में उत्साह है और मंचन को बेहतर बनाने के लिए संवादएं अभिनय और दृश्यों का अभ्यास किया जा रहा है।

### नारद मोह की लीला से होगा आगाज

रामलीला के पहले दिन नारद मोह प्रसंग का मंचन किया जाएगा। इसके बाद रामायण के अन्य प्रमुख प्रसंगों को क्रमवार प्रस्तुत किया जाएगा। आयोजन के दौरान कस्बे के श्रद्धालुओं को भगवान श्रीराम के जीवन, आदर्शों और मर्यादा पुरुषोत्तम के रूप में उनके चरित्र से जुड़े प्रसंग देखने को मिलेंगे। नवरात्र के दौरान होने वाली रामलीला कस्बे की धार्मिक और सांस्कृतिक परंपरा का हिस्सा है। आयोजन के माध्यम से स्थानीय



प्रतिभाओं को मंच प्रदान करने के साथ नई पीढ़ी को भारतीय संस्कृति और रामायण के प्रसंगों से परिचित कराने का प्रयास किया जाएगा।

कमेटी की ओर से लोगों से रामलीला में पहुंचकर कलाकारों का उत्साहवर्धन करने की अपील की गई है।

# स्त्री शक्ति की अनूठी पहल, नवरात्र के नौ दिन, नौ सामाजिक सरोकारों के नाम

अशोक राईका

**झुंझुनू ( नवयत्न )।** नवरात्रि के पावन अवसर पर स्त्री शक्ति संगठन की ओर से इस बार नौ दिनों तक अलग-अलग सामाजिक सरोकारों से जुड़े कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इन आयोजनों का उद्देश्य महिला सशक्तिकरण, बालिका सम्मान, स्वास्थ्य जागरूकता, सुरक्षा और सामाजिक जिम्मेदारों के प्रति लोगों को जागरूक करना है। संगठन की ओर से नवरात्र के प्रत्येक दिन एक विशेष गतिविधि के माध्यम से समाज में सकारात्मक संदेश देने की पहल की गई है। कार्यक्रमों की शुरुआत 11 अक्टूबर को देवी एवं कन्या पूजन के साथ होगी। इस दौरान शाम 5 बजे बड़ाऊ हाउस रोड नंबर दो पर कन्याओं का पूजन कर उन्हें उपहार भेंट किए जाएंगे।

### कन्या पूजन से लेकर महिला कानून जागरूकता, हेल्थ अवेयरनेस और सेल्फ डिफेंस ट्रेनिंग तक होंगे विभिन्न आयोजन

इस आयोजन के माध्यम से कन्या सम्मान और नारी शक्ति के प्रति श्रद्धा का संदेश दिया जाएगा। इसी क्रम में 12 अक्टूबर को महिला कानून एवं जन जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। सुबह 9 बजे धनुरी थानाधिकारी कंचन द्वारा द्वारा दूकिया नर्सिंग कॉलेज में छात्राओं को महिला कानूनों और उनके अधिकारों के प्रति जागरूक किया जाएगा। कार्यक्रम का उद्देश्य छात्राओं को कानूनी जानकारी देकर उन्हें अपने अधिकारों के प्रति सजग बनाना है। कार्यक्रम की तैयारियों को मूर्त रूप

देने के लिए डॉ मीना शेखावत, सुमन मील, ललित राठौड़, रविता झाझड़िया, डॉ शालू टीबड़ा, सरोज बड़ाऊ, ज्योति मांजू और सुलक्षणा सहित स्त्री शक्ति समूह की अनेक सदस्य लगी हुई हैं।

### नौ दिन, नौ सामाजिक गतिविधियां

स्त्री शक्ति की ओर से नवरात्रि के दौरान प्रतिदिन अलग-अलग विषयों पर गतिविधियां आयोजित की जाएगी। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार 13 अक्टूबर को हेल्थ

अवेयरनेस सेशन, 14 अक्टूबर को पोस्टर मेकिंग एवं स्लोगन राइटिंग प्रतियोगिता और 15 अक्टूबर को एडोशन यानी गोद लेने से संबंधित गतिविधि आयोजित की जाएगी। इसी क्रम में 16 अक्टूबर को सेल्फ डिफेंस ट्रेनिंग के माध्यम से आत्मरक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाई जाएगी। 17 अक्टूबर को हेलमेट वितरण, 18 अक्टूबर को उपहार वितरण तथा 19 अक्टूबर को कन्या प्रसाद का कार्यक्रम आयोजित होगा। इन नौ दिवसीय आयोजनों के जरिए स्त्री शक्ति संगठन नवरात्रि के धार्मिक महत्व को सामाजिक सेवा से जोड़ने का प्रयास कर रहा है। महिला सुरक्षा, स्वास्थ्य, आत्मनिर्भरता, बालिका सम्मान और जरूरतमंदों को सहायता जैसे विषयों पर केंद्रित ये गतिविधियां समाज में जागरूकता बढ़ाने के साथ नारी शक्ति के सम्मान का संदेश देगी।

## दुर्गामाता मंदिर में दस दिवसीय नवरात्रि महोत्सव आज से

निर्स

**बीदासर ( नवयत्न )।** नोखा रोड स्थित दुर्गामाता मंदिर में शारदीय नवरात्रि के अवसर पर 10 से 20 अक्टूबर तक दस दिवसीय दुर्गा पूजा महोत्सव का आयोजन होगा। मेढ़ क्षत्रिय स्वर्णकार संघ एवं नवरात्रि महोत्सव समिति के संयुक्त तत्वावधान में होने वाले आयोजन को लेकर तैयारियां अंतिम चरण में हैं। संघ अध्यक्ष विनोद कुमार नारनौली ने बताया कि 11 अक्टूबर को घट स्थापना के साथ महोत्सव का शुभारंभ होगा। इस दौरान दुर्गा सप्तशती एवं नवाह्नपारायण पाठ होंगे। मंदिर में प्रतिदिन सुबह.शाम ज्योत ज्वाला आरती की जाएगी। महोत्सव के मुख्य आकर्षण के रूप में 16 से 18 अक्टूबर तक तीन दिवसीय गरबा-डॉडिया कार्यक्रम आयोजित होगा। मंदिर के पास स्थित नोहरे में अहमदाबाद की चिराग एंड ऑर्केस्ट्रा पार्टी के सानिध्य में गुजराती धुनों पर गरबा-डॉडिया की प्रस्तुतियां होगी। आयोजन में श्रद्धालु पारंपरिक अंदाज में गरबा और डॉडिया नृत्य में भाग लेंगे। 18 अक्टूबर को मंदिर प्रांगण में छप्पन भोग महाप्रसाद की झांकी सजाई जाएगी। वहीं 20 अक्टूबर को महाआरती के बाद छप्पन भोग महाप्रसादी का वितरण होगा। रात्रि में आयोजित विशाल भगवती जागरण में बीकानेर के मास्टर नानू गोपाली भजनों की प्रस्तुतियां देंगे। महोत्सव का समापन 20 अक्टूबर को कन्या पूजन एवं भंडारे के साथ होगा। समिति की ओर से धार्मिक कार्यक्रमों की व्यवस्थाओं को अंतिम रूप दिया जा रहा है।



# लोक अदालत में हुआ प्रकरणों का निस्तारण

अमित प्रजापत

**सुजानगढ़ ( नवयत्न )।** राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, जयपुर के निर्देशानुसार शनिवार को राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया गया। जिसके लिए न्यायालय परिसर पर कुल दो बैंच का गठन किया गया। प्रथम बैंच के अध्यक्ष महेश सिंह मीणा, अपर सेशन न्यायाधीश रहे। सदस्य अधिवक्ता हरिश गुलेरिया रहे। बैंच में थे एडीजे न्यायालय में लंबित, एमएसीटी के 9 प्रकरणों का निस्तारण किया जाकर 66,80,000 रुपये के अवार्ड जारी किये।

इजराय के 2 प्रकरणों का निस्तारण जरिये राजीनामा किया गया तथा राजीनामा योग्य फौजदारी के 2 प्रकरण, वैवाहिक विवाद के 28 प्रकरणों का निस्तारण हुआ। कुल 51 प्रकरणों का निस्तारण जरिये राजीनामा हुआ। प्री-लिटिगेशन के 108 प्रकरणों का निस्तारण कर राशि 1,36,92,276रूपयें की रिकवरी की गई। द्वितीय बैंच में अतिरिक्त मुख्य न्यायिक



मजिस्ट्रेट विकास गजराज, राजस्व अधिकारी अर्जुनलाल सालोदिया व सदस्य अधिवक्ता रतनलाल साद रहे। बैंच द्वारा न्यायालय अतिरिक्त मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट में लंबित 91 प्रकरणों को निस्तारण जरिये राजीनामा किया गया एवं न्यायालय न्यायिक मजिस्ट्रेट, सुजानगढ़ में लंबित 76 प्रकरणों का निस्तारण

किया गया। लोक अदालत में अधिवक्ता राजगवीर गोदारा, रामचन्द्र, सलीम खां, रीडर सुरेश कुमार इंदौरिया, दुर्गासिंह, विमल, अहमाम खां, अनवर खां आदि न्यायिक कर्मचारी उपस्थित रहे। सचिव वन्दना कंवर ने राष्ट्रीय लोक अदालत को सफल बनाने में सहयोग किया।

## नवरात्र में महिलाओं की सुरक्षा के लिए राजस्थान पुलिस चलाएगी शक्ति सुरक्षा अभियान

निर्स

**जयपुर ( नवयत्न )।** शारदीय नवरात्र के दौरान गरबा-डॉडिया आयोजनों में शामिल होने वाली महिलाओं और बालिकाओं की सुरक्षा के लिए राजस्थान पुलिस प्रदेशभर में शक्ति सुरक्षा अभियान चलाएगी। अभियान के तहत आयोजन स्थलों पर महिला पुलिसकर्मियों की तैनाती, सादे कपड़ों में निगरानी, डिर्काॅय ऑपरेशन और सीसीटीवी कैमरों के जरिए संधिध गतिविधियों पर नजर रखी जाएगी। कार्यक्रम समाप्त होने के बाद भी महिलाओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए पुलिस विशेष व्यवस्था करेगी। अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस, कम्युनिटी पुलिसिंग एवं जन-अभियोग लता मनोज कुमार ने बताया कि सभी जिला पुलिस अधीक्षकों तथा जयपुर और जोधपुर के पुलिस उपायुक्तों को दिशा-निर्देश जारी किए हैं। एडीजी लता मनोज कुमार ने बताया कि अभियान के तहत प्रमुख गरबा-डॉडिया स्थलों को चिह्नित कर सुरक्षा और यातायात व्यवस्था की कार्ययोजना बनाई जाएगी। संवेदनशील और अधिक भीड़भाड़ वाले स्थानों पर कालिका पेट्रोलिंग टीमों के साथ पर्याप्त महिला पुलिसकर्मी तैनात की जाएगी। जरूरत के अनुसार सादे कपड़ों में महिला पुलिसकर्मियों को भी निगरानी की जिम्मेदारी दी जाएगी। महिलाओं के साथ छेड़छाड़ और दुर्व्यवहार करने वालों के खिलाफ कार्रवाई के लिए डिर्काॅय ऑपरेशन चलाकर नियमानुसार कदम उठाए जाएंगे। प्रमुख आयोजन स्थलों पर महिला हेल्प डेस्क स्थापित कर महिला पुलिसकर्मियों की उपलब्धता सुनिश्चित की जाएगी। यहां महिला हेल्पलाइन, राजकॉप और अन्य पुलिस सहायता माध्यमों की जानकारी वाले पोस्टर और क्यूआर कोड लगाए जाएंगे, ताकि जरूरत पड़ने पर महिलाएं तत्काल सहायता प्राप्त कर सकें। नवरात्र शुरू होने से पहले पुलिस अपने सोशल मीडिया मंचों, व्हाट्सएप और अन्य डिजिटल माध्यमों से भी सुरक्षा संबंधी जानकारी साझा करेगी। बड़े गरबा-डॉडिया आयोजनों से पहले पुलिस अधिकारियों की आयोजकों के साथ बैठकें होंगी। आयोजकों को महिला सुरक्षा के लिए नियुक्त सुरक्षा स्वयंसेवकों की सूची संबंधित पुलिस अधिकारियों को देनी होगी। आयोजन स्थलों पर उपलब्ध सीसीटीवी कैमरों और अन्य तकनीकी संसाधनों का प्रभावी इस्तेमाल किया जाएगा। प्रवेश द्वारों पर पहचान-पत्र और डिजिटल पास की सख्ती से जांच होगी। पुलिस आयोजन स्थलों के प्रवेश और निकास द्वारों के साथ पार्किंग क्षेत्रों तथा पार्किंग से कार्यक्रम स्थल तक आने-जाने वाले रास्तों पर भी विशेष निगरानी रखेगी। इन स्थानों पर पर्याप्त रोशनी, नियमित पुलिस गश्त और जरूरत के अनुसार महिला पुलिसकर्मियों की तैनाती की जाएगी।

महिला यात्रियों की सुरक्षा के लिए ऑटो और टैक्सी चालकों के साथ बैठकें आयोजित की जाएंगी। उन्हें संधिग्ध गतिविधियों की सूचना पुलिस को देने और जरूरत पड़ने पर सहायता लेने के लिए जागरूक किया जाएगा। महिला सुरक्षा हेल्पलाइन के स्टिकर ऑटो, टैक्सी और अन्य सार्वजनिक परिवहन साधनों पर लगाए जाएंगे। अभियान को व्यापक बनाने के लिए युवा सामुदायिक सत्यन्य समूह के सदस्यों और सुरक्षा सखियों को भी जोड़ा जाएगा। इनके माध्यम से महिला सुरक्षा और पुलिस सहायता के प्रति जागरूकता बढ़ाई जाएगी। अभियान की जिला स्तर पर निगरानी अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक स्तर के अधिकारी करेंगे। महिला सुरक्षा के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य करने वाली कालिका पेट्रोलिंग टीमों और महिला पुलिसकर्मियों को पुलिस मुख्यालय स्तर पर सम्मानित करने के लिए चर्चनित किया जाएगा।